हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 12 अंक : 313 देहरादून, बुधवार, 12 जून, 2024 मूल्य : एक रुपया पृष्ठ : 16

दोपहिया वाहनों के पीछे बैठने वालों के लिए हेलमेट अनिवार्य

3

मानसून सीजन से पहले पूरी हो तैयारियां : मुख्यमंत्री

मानसून के दृष्टिगत मरीजों और गर्भवती महिलाओं के लिए आपातकालीन स्थिति में हेली एम्बुलेंस की व्यवस्था रखी जाए

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

- मौसम के पूर्व चेतावनी के आधार पर लोगों को नियमित अलर्ट मोड पर रखें
- अतिवृष्टि के कारण फसलों को होने वाले नुकसान का तुरंत आकलन कर मानकों के अनुसार यथाशीघ्र क्षतिपूर्ति की व्यवस्था रखी जाए
- आपदा के दृष्टिगत त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था रखी जाए
- अल्मोड़ा जनपद के सरियापनी जनपद में खुलेगी एसडीआरएफ की बटालियन।

देहरादून 12 जून : 15 जून से पहले मानसून के दृष्टिगत सभी तैयारियां पूर्ण की जाय। सभी विभाग 15 जून तक आपदा प्रबंधन के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती करना सुनिश्चित करें। एसटीपी प्लांट और पुराने पुलों का सेफ्टी ऑडिट किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि बिजली की तारों से कोई घटना घटित न हो। मानसून सीजन के दृष्टिगत मरीजों और गर्भवती महिलाओं के लिए आपातकालीन स्थिति में हेली एम्बुलेंस की व्यवस्था रखी जाए। स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी गर्भवती महिलाओं को चिन्हित किया जाए। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में आगामी मानसून की तैयारियों की बैठक के दौरान ये निर्देश अधिकारियों को दिये।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अतिवृष्टि से पिछले सालों में क्या चुनौतियां सामने आई और किन-किन क्षेत्रों में अधिक आपदाएं आई एवं इस तरह की चुनौतियों का सामना करने के लिए शासन और जनपद स्तर पर क्या तैयारियां की गई हैं, इसका पूरा एक्शन प्लान प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि यह सुनिश्चित किया जाए कि मौसम के पूर्वानुमान की सटीक जानकारी लोगों तक समय पर पहुंचे। मौसम के पूर्व चेतावनी के आधार पर लोगों को नियमित रूप से अलर्ट मोड पर रखें। उन्होंने कहा कि मौसम के पूर्वानुमान और जन जागरूकता से अतिवृष्टि और आपदा के प्रभाव को कम करने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि जनपदों में ऐसे क्षेत्र जहां भू-स्खलन की समस्याएं रहती हैं, उन्हें चिन्हित कर जो भी आवश्यक व्यवस्थाएं करवाने की आवश्यकता है, समय पर की जाए। जिन क्षेत्रों में बरसाती नदी और नाले उफान पर आते हैं, उनके लिए भी वैकल्पिक व्यवस्थाओं के लिए अभी से प्लान बना कर रखे जाएं। मानसून के दृष्टिगत विभिन्न कार्यों के लिए शासन स्तर से जो धनराशि की आवश्यकता है, उसका यथाशीघ्र प्रस्ताव भेजा जाए। अतिवृष्टि के कारण फसलों को होने वाले नुकसान का तुरंत आकलन कर मानकों के अनुसार यथाशीघ्र क्षतिपूर्ति की व्यवस्था रखी जाए। मानसून के दृष्टिगत पर्वतीय जनपदों में आवश्यक दवाओं, खाद्य सामग्री एवं अन्य मूलभूत आवश्यकताओं से संबंधित सभी व्यवस्थाएं पर्याप्त मात्रा में रखी जाए। आपदा कि स्थिति में रिस्पांस टाइम कम से कम रखा जाए। मानसून अवधि में सभी जिलाधिकारी मौसम के पूर्वानुमान के अनुसार अपने जनपदों में विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यकतानुसार छुट्टी की घोषणा करें, स्कूल जाने के पैदल मार्गों में नदी और नाले वाले स्थानों पर वैकल्पिक मार्ग तलाशे जाएं। हर जनपद में बड़े रपटे चिन्हित किये जाएं एवं वहां पर सुरक्षा की दृष्टि से सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिये कि आपदा के दृष्टिगत त्वरित राहत एवं बचाव कार्य के लिए हेलीकॉप्टर की व्यवस्था रखी जाए। आपदा प्रबंधन की दृष्टि से अल्मोड़ा जनपद के सरियापनी में एसडीआरएफ बटालियन खोलने के निर्देश मुख्यमंत्री ने दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा प्रबंधन की दृष्टि से विभिन्न विभागों द्वारा शासन से जो धनराशि की मांग की जा रही है, वह धनराशि यथाशीघ्र संबंधित विभागों को दी जाए। जिलाधिकारियों द्वारा भी विभिन्न पदों में जो धनराशि की मांग की जा रही है, उन्हें भी शीघ्र धनराशि अवमुक्त की जाए। जिन विभागों को पहले की धनराशि अभी तक अवमुक्त नहीं हुई है, वह शीघ्र दी जाए, इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि मानसून अवधि में सड़कें, विद्युत और पेयजल लाईन बाधित होने की स्थिति में उनकी सुचारू व्यवस्थाओं के लिए रिस्पांस टाईम कम से कम रखा जाए और वैकल्पिक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने निर्देश दिये कि अतिवृष्टि से पिछले वर्ष के जो कार्य अभी तक पूर्ण नहीं किये गये हैं, उन्हें 15 जून तक पूर्ण किया जाए।

बैठक में उपाध्यक्ष अवस्थापना अनुश्रवण परिषद् विश्वास डाबर, मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, अपर मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, एल. फैनई, डीजीपी अभिनव कुमार, प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, सचिव आर. मीनाक्षी सुदंरम, शैलेश बगोली, अरविन्द सिंह ह्यांकी, दिलीप जावलकर, सचिन कुर्वे, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पाण्डेय, सचिव आर. राजेश कुमार, एस.एन.पाण्डेय, विनोद कुमार सुमन, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, वर्चुअल माध्यम से कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत एवं सभी जिलाधिकारी उपस्थित थे।

उत्तराखंड : मोदी कैबिनेट में शामिल हुए अजय टम्टा, मिली बड़ी जिम्मेदारी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

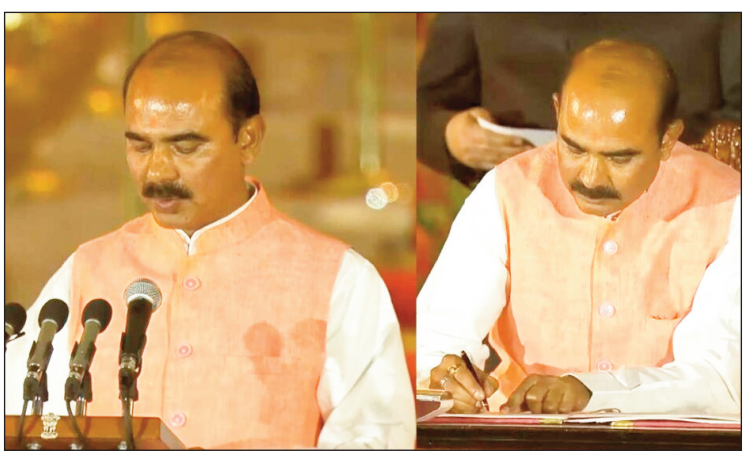

अल्मोड़ा 12 जून : वर्ष 2014 में अजय टम्टा को कपड़ा राज्यमंत्री बनाया गया था उनकी छवि अन्य नेताओं से साफ़ और बेदाग रही जिस वजह से उन्हें केंद्र की मोदी सरकार में एक बार फिर से जगह मिली है।जीत की हैट्रिक लगने के बाद अल्मोड़ा लोकसभा से निर्वाचित अजय टम्टा को मोदी कैबिनेट में शामिल किया गया है और उन्हें सड़क परिवहन राज्यमंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इससे पहले 2014 की मोदी सरकार में अजय टम्टा को कपड़ा राज्यमंत्री बनाया गया था। उनकी साफ और बेदाग छवि उन्हें अन्य नेताओं से अलग करती है और यही कारण है कि उन्हें केंद्र की मोदी सरकार में एक बार फिर से स्थान मिला है।

मोदी सरकार ने अजय टम्टा को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल करके भाजपा हाईकमान ने जातीय समीकरणों को साधने की कोशिश की है। भाजपा देश में दलित और पिछड़ा वर्ग के वोट बैंक को हर हाल में अपने साथ जोड़े रखना चाहती है। चुनाव में लगातार तीसरी बार जीत हासिल करने वाले अजय टम्टा इस बार उत्तराखंड के पांचों सांसदों में एकमात्र हैं तथा केंद्रीय मंत्रिमंडल में दूसरी बार शामिल होने वाले अजय टम्टा हाईकमान के भरोसेमंद नेताओं में गिने जाते हैं। चुनाव पूर्व जब अल्मोड़ा संसदीय सीट के टिकट के लिए दावेदारी हो रही थी, तब भी सौम्य व्यवहार के लिए मशहूर टम्टा ने खुद को भाजपा का अनुशासित सिपाही ही बताया। इन्हीं कारणों से मोदी सरकार 3.0 में अजय टम्टा को पुनः शामिल किया गया है।

मैदानों में फिर से सताएगी गर्मी इन 5 जिलों में होगी बारिश

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 जून : मौसम विभाग के अनुसार मैदानी क्षेत्रों में झोंकेदार हवाएं चलेंगी, जबकि पर्वतीय जिलों में बारिश की सम्भावना बनी है, बीते दिन देहरादून का अधिकतम तापमान सामान्य से 6 डिग्री इजाफे के साथ 41.1 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, तापमान बढ़ने के आसार हैं।प्रदेश में बीते कुछ दिनों से गर्मी फिर से अपने तेवर दिखाने लगी है और तापमान वृद्धि से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार जून महीने के पिछले 10 सालों के आंकड़ों को देखें तो 2022 को छोड़कर किसी भी दिन देहरादून का तापमान 40 डिग्री तक नहीं पहुँचा। 2022 की 5 जून को अधिकतम तापमान 41.6 डिग्री रिकॉर्ड किया गया था।

मौसम विज्ञानियों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन और मौसम के बदलते पैटर्न की वजह से तापमान में वृद्धि हो रही है। यही कारण है कि तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है।मौसम विज्ञान केंद्र द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार चमोली, बागेश्वर, उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ़ जिलों के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश हो सकती है। प्रदेश के पहाड़ी जिलों में 12 जून को हल्की बारिश होने की उम्मीद है। वहीं मैदानी क्षेत्रों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने की संभावना है।देहरादून का अधिकतम तापमान 41.1 डिग्री और न्यूनतम तापमान 23.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि पंतनगर का अधिकतम तापमान 40.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19.0 डिग्री सेल्सियस रहा। वहीं मुक्तेश्वर का अधिकतम तापमान 28.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16.3 डिग्री सेल्सियस था। नई टिहरी का अधिकतम तापमान 30.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 19.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी पर लगा 'ट्रैफिक जाम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : एक समय था जब पहाड़ों पर चढ़ने में लोग सोचते थे कि कहीं गिर गए तो क्या होगा, लेकिन अब लोगों के अंदर का ये डर धीरे-धीरे खत्म हो रहा है.

यही वजह है कि दुनियाभर के लोग अब माउंट एवरेस्ट पर भी चढ़ने से नहीं कतरा रहे, जिसे दुनिया की सबसे ऊंची पर्वत चोटी कहा जाता है. कुछ साल पहले तक सिर्फ कुछ गिने-चुने लोग ही माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करते थे, लेकिन अब ये संख्या काफी हद तक बढ़ गई है. इतनी बढ़ गई है कि एवरेस्ट के शिखर पर 'ट्रैफिक जाम' ही लगने लगा है. सोशल मीडिया पर इससे जुड़ा एक पोस्ट भी वायरल हो रहा है, जिसे देख कर लोग भी हैरान हैं।

पोस्ट में आप देख सकते हैं कि दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर एक साथ कितने सारे लोग पहुंचे हैं. उनकी एक लंबी लाइन लग गई है. उनमें से कुछ लोग चोटी से आसपास का नजारा देख कर लौट रहे होते हैं तो कुछ चोटी के और नजदीक जाने की कोशिश करते नजर आते हैं, जबकि कुछ लोग इंतजार में खड़े हैं कि कब भीड़ खत्म हो और उनका भी नंबर आए. ऐसा नजारा आपने शायद ही कभी देखा होगा. हालांकि एवरेस्ट पर चढ़ना कोई बच्चों का खेल नहीं है, लेकिन फिर भी पर्वतारोहियों के बीच एक जुनून देखने को मिल रहा है. इस पोस्ट को किसी पर्वतारोही ने ही अपने कैमरे में रिकॉर्ड किया है, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गया।

गजब है ये कंपनी, वजन घटाने के बदले कर्मचारियों को दिया 1 करोड़ का बोनस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : एक बार जब वजन बढ़ जाए तो उसे घटाना कितना मुश्किल होता है, ये तो आप जानते ही होंगे. फिर वजन घटाने के लिए लोगों को जिम का सहारा लेना पड़ता है और एक्सरसाइज करके घंटों पसीना बहाना पड़ता है. तब जाकर कहीं वजन कम होता है. वहीं, कई बार ऐसा भी होता है कि लोगों को सर्जरी करवानी पड़ जाती है, पर जरा सोचिए कि अगर आपको अपना वजन घटाने के बदले लाखों रुपये दिए जाएं तो? जी हां, आजकल ऐसी ही एक कंपनी चर्चा में है, जो मोटापे से पीड़ित अपने कर्मचारियों के लिए अनोखा ऑफर लेकर आई है।

दरअसल, कंपनी अपने कर्मचारियों को वजन घटाने के लिए बोनस दे रही है. ये अनोखी कंपनी चीन के गुआंगडोंग प्रांत में स्थित है, जिसका नाम इंस्टा 360 है. एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले साल शुरू किए गए इस स्कीम के तहत कई लोगों ने अपना वजन कम करके पैसे कमाए हैं. इसमें अब तक 150 लोग हिस्सा ले चुके हैं और इन लोगों ने मिलकर कुल 800 किलो वजन कम किया है. वजन कम करने के बदले में कंपनी ने सभी कर्मचारियों में बोनस के तौर पर कुल 1 करोड़ रुपये बांट दिए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, कंपनी की यह योजना 'वेट लॉस बूट कैंप' की तरह काम करती है. हर कैंप 3 महीने का होता है और इसमें कुल 30 कर्मचारी शामिल होते हैं. अब तक ऐसे पांच कैंप लगाए जा चुके हैं. वैसे तो इस योजना के तहत बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने आवेदन दिया है, जो इस कंपनी में काम करते हैं, लेकिन उनमें से सिर्फ उन्हीं लोगों का चयन किया गया है, जो मोटे हैं. हर कैंप में लोगों को तीन समूहों में बांटा गया है, जिसमें 10-10 लोगों के दो समूह और 5 लोगों का एक अलग ग्रुप शामिल हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, हर आधा किलो वजन कम होने पर एक कर्मचारी को 4,593 रुपये मिलते हैं, लेकिन अगर उनके ग्रुप में से किसी सदस्य का अगर वजन बढ़ जाता है तो फिर उस ग्रुप के किसी भी सदस्य को पुरस्कार राशि नहीं मिल पाती बल्कि इसके बदले उनपर 5,700 रुपये का जुर्माना ही लगा दिया जाता है. पिछले साल इस योजना में शामिल रहे ली नाम के शख्स ने बताया कि इस योजना से उन्हें दो फायदे हुए. पहला तो ये कि उनका स्वास्थ्य ठीक हो गया और दूसरा ये कि उन्हें इससे एक्स्ट्रा कमाई भी हो गई।

ली ने बताया कि उन्होंने अपना वजन कम करने के लिए दौड़-भाग के अलावा तैराकी भी की और साथ ही बास्केटबॉल भी खूब खेला. इसके अलावा उन्होंने अपने खान-पान पर भी ध्यान दिया, जिसका नतीजा ये निकला कि उनका वजन 17.5 किलो कम हो गया और इसके बदले में उन्हें कंपनी की ओर से 85 हजार रुपये बोनस मिले. वजन घटाने वाली कंपनी की ये अनोखी योजना जब सोशल मीडिया पर वायरल हुई तो वहां भी लोगों ने इसकी जमकर तारीफ की. किसी ने कहा कि 'क्या कमाल की कंपनी है, काश मैं भी इसका हिस्सा होता', तो किसी ने कहा कि 'अगर मैं वहां होता तो मैं हर दिन 10 किलोमीटर दौड़ता. मेरे जैसा कर्मचारी हो तो कंपनी ही दिवालिया हो जाएगी।

घर में रहना है तो किराया दो, अपनी ही बेटी से रेंट वसूलती है ये मां

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : आपने शायद ही सुना होगा कि कोई मां-बाप अपने ही बच्चों से घर में रहने के लिए किराया वसूलते हों. सुनकर अजीब लगेगा, लेकिन ऑस्ट्रेलिया से एक ऐसा ही मामला सोशल मीडिया पर इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रहा है. यहां एक महिला अपनी ही बेटी से हर महीने रहने का किराया वसूलती है. महिला का कहना है कि वह यह सब कुछ अपनी बेटी की भलाई के लिए ही कर रही है. वो कैसे, चलिए जानते हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार , ऑस्ट्रेलिया की कैट क्लार्क अपनी 20 वर्षीय बेटी लेतिशा से घर में रहने का किराया वसूलती हैं. कैट गोल्ड कोस्ट में रहती हैं. उन्होंने खुद सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी है. उन्होंने बताया कि वह बेटी लेतिशा से हर हफ्ते 26 पाउंड (यानि 2,761.70 रुपये) लेती हैं. इस हिसाब से वह अपनी बेटी से हर महीने 11 हजार रुपये से अधिक वसूल रही हैं।

कैट की इस पोस्ट पर लोगों ने तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दीं. कई इंटरनेट यूजर्स ने इसे गलत और अमानवीय कहा. कुछ का कहना है कि यह कैसी मां है जो अपने ही बच्चों से किराया मांगती है. हालांकि, कुछ लोगों ने महिला के फैसले का समर्थन भी किया है और उसकी सोच को जायज ठहराया है। महिला का कहना है कि वह अपने बेटी को यह सिखाना चाहती है कि दुनिया में कुछ भी मुफ्त में नहीं मिलता. उसने कहा, मेरे माता-पिता ने भी मुझे यही सिखाया और अब में अपनी बेटी को यह सिखा रही हूं. कैट ने यह भी बताया कि वह अपनी बेटी से मिले पैसों को एक अलग अकाउंट में जमा कर रही है, जिसे वह बेटी को तब देंगी जब वो अपने खुद के घर की पहली किश्त जमा करना चाहेगी।

कुछ लोग कैट की इस सोच से खासे प्रभावित हुए, जबकि कुछ का कहना है कि घर को घर जैसा ही रहने देना चाहिए. हालांकि, कैट का मकसद अपनी बेटी को जीवन के महत्वपूर्ण सबक सिखाना और उसे आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाना है. यह घटना बताती है कि अलग-अलग कल्चर में परिवारों की सोच और परंपराएं कितनी अलग हो सकती हैं।

9 साल तक किया डेट फिर 100 साल के दूल्हे ने 102 की दुल्हन से रचाई शादी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : प्यार में इंसान की उम्र कोई मायने नहीं रखती. आपकी चाहे कोई भी उम्र हो बस सामने वाला आपके साथ होना चाहिए, बाकी दुनिया आपके बारे में क्या कहती है. इससे किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता. हालांकि कई बार ऐसा होता है कि ये प्यार के किस्से इतने ज्यादा अजीब होते हैं. जिसके बारे में जानकर हर कोई हैरान रह जाता है. ऐसा ही एक किस्सा इन दिनों लोगों के बीच चर्चा में है. जहां एक उम्र के आखिरी पड़ाव में शादी कर वर्ल्ड रिकॉर्ड बना लिया।

ये मामला एक रिपोर्ट के बाद चर्चा में आई जहां बर्नी लिटमैन की पोती सारा लिटमैन ने अपने घर में बताया कि उनके दादा ने शादी करने की इच्छा व्यक्त की है. हालांकि इस फैसले से हर कोई हैरान था, लेकिन बावजूद इसके हर कोई इनकी जोड़ी देखने के बाद खुश थे और फिर 19 मई को शादी करने के बाद मैरेज रजिस्ट्रेशन भी कराया. 100 साल के बर्नी लिटमैन ने 102 साल की मार्जोरी फिटर मैन के साथ उम्र के आखिरी पड़ाव में शादी की। रिपोर्ट के मुताबिक ये कपल 9 साल से एक दूसरे को डेट कर रहे थे. मीडिया से बात करते हुए लिटमैन की पोती सारा लिटमैन ने बताया कि हम वास्तव में खुश हैं कि हमारे दादाजी के साथ अब कोई रहने को जरूर होगा. अपनी इस शादी के साथ वे सबसे उम्रदराज दूल्हा-दुल्हन बन गए हैं. अपनी इस शादी को लेकर लिटमैन का कहना है कि मैं पुराने तौर तरीकों को ज्यादा पसंद करता हूं क्योंकि एक ही इमारत में रहते हैं और कई बार हम दोनों एक दूसरे से आते-जाते, टकरा जाते थे और फिर अपने आप ही हम दोनों के बीच प्यार हो गया।

एक दूसरे को समझने के लिए हमने आधुनिक डेटिंग ऐप्स के बजाय पारंपरिक तरीका बरकरार रखा. और हमारा प्यार कब और ज्यादा गहरा हो गया, कब साथ रहने का फैसला कर लिया पता ही नहीं चला. गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के मुताबिक अब मार्जोरी फिटर मैन और बर्नी लिटमैन दुनिया के सबसे उम्रदराज दूल्हा-दुल्हन बन गए हैं. इससे पहले ये रिकॉर्ड डोरेन और जॉर्ज किर्बी के नाम है, जिनकी 2015 में शादी हुई थी।

अल्मोड़ा : मेजर हरीश चंद्र का निधन, स्वीमिंग पूल में प्रैक्टिस के दौरान हुआ हादसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

अल्मोड़ा 12 जून : हरीश ने कुमाऊं रेजिमेंट में तैनाती पाई और कुछ साल पहले ही मेजर का पद हासिल किया था। वर्तमान में वे मध्यप्रदेश के सिकंदराबाद जबलपुर में ईएमई रिकार्ड में तैनात थे। बेटे के साथ स्विमिंग पूल में अभ्यास करते समय उनकी मौत हो गई।

मेजर हरीश चंद्र मेलकानी (42) पुत्र रामदत्त मेलकानी निवासी धौलादेवी विकासखंड के गुणादित्य के पास स्थित स्वाड़ी तोक, वर्तमान में वे मध्य प्रदेश के जबलपुर में ईएमआई रिकार्ड में तैनात थे। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार बीते दिन वे अपने 12 वर्षीय पुत्र वैभव के साथ स्वीमिंग पूल में प्रैक्टिस कर रहे थे लेकिन काफी देर होने के बाद भी वह स्वीमिंग पूल से बाहर नहीं निकले, जिसके बाद वैभव ने शोर मचाना शुरू कर दिया।

मौके पर तुरंत वहां मौजूद सेना के लोग पहुंचे और उन्हें निकालकर अस्पताल में भर्ती किया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मेजर हरीश मेलकानी अन्य दिनों अपनी पत्नी रेनू को भी स्वीमिंग के लिए साथ लेकर जाते थे लेकिन बीते दिन वो सिर्फ अपने बच्चे को साथ ले गए थे। उनके गाँव के ग्रामीणों ने बताया कि हरीश बचपन से ही बेहद होनहार छात्र थे और करीब 22 साल पहले वे सेना में भर्ती हुए थे और कुछ वर्ष पहले ही वह मेजर बने। उनकी तैनाती इससे पूर्व कुमाऊं रेजीमेंट में भी हो चुकी है।

मेजर हरीश मेलकानी का अंतिम संस्कार जागेश्वर धाम के श्मशान घाट में पूरे सैन्य सम्मान के साथ किया गया। यहाँ 19 कुमाऊं रेजिमेंट व 22 राजपूत रेजिमेंट और ईएमआई रेजिमेंट के जवानों ने पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें सलामी दी। इस दौरान वहां तमाम लोग मौजूद थे सभी ने उन्हें पुष्प चक्र अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

देहरादून : दोपहिया वाहनों के पीछे बैठने वालों के लिए हेलमेट अनिवार्य, वरना होगी कार्रवाई

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 जून : डबल हेलमेट की कवायद एक बार फिर से शुरू की जा रही है। यह नियम वर्ष 2016 से राज्य में लागू है लेकिन यह पूर्णतः लागू नहीं हो पाया। सड़क सुरक्षा कोष प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक में हेलमेट के साथ ही, चौपहिया वाहन में सीट बेल्ट के नियम को भी सख्ती से लागू करने का आदेश जारी किया गया है।

देहरादून 12 जून : डबल हेलमेट की कवायद एक बार फिर से शुरू की जा रही है। यह नियम वर्ष 2016 से राज्य में लागू है लेकिन यह पूर्णतः लागू नहीं हो पाया। सड़क सुरक्षा कोष प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक में हेलमेट के साथ ही, चौपहिया वाहन में सीट बेल्ट के नियम को भी सख्ती से लागू करने का आदेश जारी किया गया है।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे उत्तराखंड को 'जीरो एक्सीडेंट' राज्य के विजन के साथ काम करें तथा उत्तराखंड के सीमा क्षेत्र और सभी प्रमुख मार्गों पर एनपीआर कैमरों के साथ ही शहरों में ड्रोन कैमरों की मदद से यातायात व्यवस्था की निगरानी की जाए। इसके आधार पर नियम तोड़ने वालों के खिलाफ चालान की कार्रवाई भी की जाए।

मुख्य सचिव ने हादसों में घायलों की सुरक्षा और त्वरित उपचार सुविधा पर जोर देते हुए, हिट एंड रन और गुड़ समेरिटन योजना के प्रचार प्रसार के निर्देश भी दिए । साथ ही राज्य के मार्गों पर वैज्ञानिक तरीके से गति सीमा के निर्धारण की कार्ययोजना को जल्द तैयार करने के लिए भी निर्देश दिए गए।

देहरादून : मेधावी छात्रों को The Doon School में मिलेगा निशुल्क पढ़ने का मौका, ऐसे करें आवेदन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून 12 जून : इच्छुक छात्रों को इसके लिए स्कूल की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना है, जिसके बाद प्रवेश परीक्षा 14 जुलाई को आयोजित होगी और फिर साक्षात्कार के बाद एडमिशन मिलेगा। स्कूल की ओर से छात्र को दी जाने वाली छात्रवृत्ति राशि 20 से 120 फीसदी तक हो सकती है।

देश के लोकप्रिय टॉप 10 स्कूलों में शामिल देहरादून का दून स्कूल अब मेधावी छात्रों के लिए निःशुल्क शिक्षा देने जा रहा है। इस स्कूल में प्रवेश पाना इतना आसान नहीं लेकिन यदि आप एक मेधावी छात्र हो और आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर है तो आप प्रवेश परीक्षा देकर अपनी काबिलियत के दम पर यहाँ एडमिशन ले सकते हो। विद्यालय से मिली जानकारी के अनुसार दून स्कूल छात्रवृत्ति परीक्षा 14 जुलाई 2024 को संपन्न होगी। इसके लिए आपको स्कूल की ऑफिसियल वेबसाइट पर आवेदन करना है www.doonschool.com/dsse/

आवेदन करने का शुल्क मात्र 100 रुपये है, यह छात्रवृति परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से होगी और इसमें अंग्रेजी, गणित, केस स्टडीज और रीजनिंग के जरिए अभ्यर्थियों की दक्षता का आकलन किया जाएगा। इसमें उत्तीर्ण करने वाले छात्रों को 6 अक्टूबर को आयोजित मुख्य परीक्षा पास करके साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। इसके बाद ही छात्र का फाइनल सिलेक्शन होगा। स्कूल की तरफ से छात्र को दी जाने वाली छात्रवृत्ति राशि 20 से 120 फीसदी तक हो सकती है, इसका निर्धारण छात्र के परिवार की वित्तीय जरूरतों व आर्थिक स्थिति के आधार पर छात्रवृत्ति समिति की ओर से किया जाएगा। छात्र परीक्षा के लिए अंग्रेजी और गणित के लिए संबंधित कक्षाओं के अनुरूप एनसीईआरटी की ओर से उपलब्ध दिशा-निर्देशों की सहायता ले सकते हैं।

सातवीं कक्षा में प्रवेश के लिए छात्र की आयु 30 सितंबर 2024 तक 11 से 12 वर्ष होनी चाहिए और आठवीं कक्षा के लिए छात्र की आयु 30 सितंबर 2024 तक 12 से 13 वर्ष की होनी चाहिए।

संक्षिप्त खबरें

बाल श्रम उन्मूलन की शपथ दिलाई

पौड़ी। बाल एवं किशोर श्रमिकों के बचाव और पुनर्वास के लिए चले रहे जन जागरूकता अभियान के तहत मंगलवार को जिलास्तरीय अफसरों को एनआईसी कक्ष में बाल श्रम उन्मूलन को लेकर शपथ दिलवाई गई। जिला प्रोबेशन अधिकारी देवेंद्र थपलियाल ने बताया कि इस महीने बाल एवं किशोर श्रमिकों के बचाव एवं पुनर्वास के लिए तीस दिवसीय जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत विभिन्न स्थानों पर जनजागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। बताया कि मंगलवार को जिलास्तरीय अफसरों को शपथ दिलाते हुए बच्चों को बाल श्रम से बचाने, बाल श्रम को खत्म करने और बाल श्रम के बजाए शिक्षित करने आदि को लेकर जागरूक किया गया। इस मौके पर सीडीओ अपूर्वा पांडे, डीएफओ गढ़वाल स्वप्निल अनिरुद्ध, सीईओ दिनेश चंद्र गौड़ आदि शामिल रहे।

योग दिवस की तैयारियां समय से पूरी करे अफसर

पौड़ी। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर मंगलवार को सीडीओ ने बैठक ली। सीडीओ ने कहा कि योग दिवस को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय से काम करना होगा। बैठक में सीडीओ अपूर्वा पांडे ने कहा कि जिला स्तर पर 21 जून को सुबह साढ़े 6 बजे मुख्यालय के रांसी स्टेडियम में योग दिवस का आयोजन किया जाएगा। योग महोत्सव को सफल बनाने के लिए सभी अधिकारी व कर्मचारी आयोजन स्थल पर उपस्थित रहेंगे। योग महोत्सव के सफल आयोजन के लिए उन्होंने खेल, शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक तैयारी करने के निर्देश दिए।

श्रीनगर में नूतन सत्र से डिग्री कॉलेज को संचालित करने की कवायाद शुरू

श्रीनगर गढ़वाल। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने साल 2022 में श्रीनगर में डिग्री कॉलेज बनाये जाने की घोषणा की थी। जिसके बाद राजकीय इंटर कॉलेज श्रीनगर में खाली पड़ी भूमि को डिग्री कॉलेज के लिए उपयुक्त पाए जाने पर इसका चयन किया गया। यहां गढ़वाल विश्वविद्यालय के केंद्रीय विवि बन जाने से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को भी प्रवेश लेने में कठिनाइयां आती हैं। गढ़वाल के अभिभावकों और छात्रों की मांग पर कैबिनेट मंत्री ने सरकारी डिग्री कालेज खोलने को स्वीकृति दी थी। उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. अंजू अग्रवाल ने मंगलवार को प्रस्तावित डिग्री कॉलेज का निरीक्षण किया। प्रो. अग्रवाल ने बताया कि कक्षाओं को संचालित किये जाने को लेकर राजकीय इंटर कॉलेज श्रीनगर के भवनों का निरीक्षण किया गया।

बुडोगी के जंगलों में बीते देर रात धधकी तेज आग

नई टिहरी। टिहरी में वनाग्नि रूकने का नाम नहीं ले रही है। बीती सोमवार रात को जिला मुख्यालय के पास वन विभाग के क्रू स्टेशन से महज 100 मीटर की दूरी पर बुडोगी के चवालखेत और डांडा नामे तोक के जंगलों में अचानक आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेजी थी कि यह पूरे रिहायशी इलाके के निकट तक पहुंची। किसी तरह वन विभाग, फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। फायर से रात करीब साढ़े 11 बजे इस आग को नियंत्रित किया गया। उन्होंने बताया कि वनाग्नि से जंगल को जरूर नुकसान हुआ है, लेकिन राहत की बात रही कि जानमाल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। एसडीओ के अनुसार कई बार चेतावनी और जागरूकता कार्यक्रम चलाने के बाद भी लोग वनों में आग लगाने से बाज नहीं आ रहे हैं।

चंबा-मंसूरी फलपट्टी क्षेत्र में प्लास्टिक कचरे से परेशानी

नई टिहरी। चंबा-मसूरी फलपट्टी के पर्यटन स्थलों पर प्लास्टिक सहित गंदगी का अंबार लगा हुआ है। जड़ीपानी, ठांगधार, काणाताल के होटलों, रेस्टोरेंटों, कैंप साइट्स और चंबा-मूसरी हाईवे के किनारे जगह-जगह गंदगी पसरी हुई है। स्थानीय लोगों की शिकायत पर मंगलवार को जिला पंचायत ने जड़पानी क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया। इस दौरान वहां से प्लास्टिक रैपर, कोल्ड ड्रिंक्स की बोतलें सहित कई तरह के प्लास्टिक और कूड़ा-करकट हटाया। जिला पंचायत की टीम ने हाईवे से 10 मीटर के आसपास सफाई की। बावजूद इसके नीचे बड़ी मात्रा में कूड़ा-करकट अभी भी जमा है। वन क्षेत्र होने के कारण जिला पंचायत ने नीचे फैले कूड़े-करकट को नहीं हटाया।

मां चंद्रवदनी पुस्तक का लोकार्पण

नई टिहरी। सिद्धपीठ चंद्रवदनी पुस्तक का मंगलवार को चंद्रवदनी मन्दिर परिसर में लोकार्पण हुआ। मन्दिर समिति के पूर्व प्रबन्धक दुर्गा प्रसाद भट्ट की लिखी इस पुस्तक में मां चंद्रवदनी की पूजा पद्धति, उसके पुजारियों का विवरण, उनके पैत्रिक निवास, पुजार गांव का इतिहास बताया गया है।

नौकरी छूटी फिर भी नहीं मानी हार, अपनाया प्लान-बी, अब हर महीने कमा रहा 38 लाख

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : आज के समय को अगर आप ले-ऑफ का समय कहे तो कुछ गलत नहीं होगा. अब ना सिर्फ छोटी कंपनियां बल्कि-बल्कि बड़ी कंपनियां किसी को भी यूं ही निकाल देती है. ऐसे में शख्स बेरोजगार हो जाते हैं और फिर जिंदगी में पाई-पाई के लिए मोहताज रहना पड़ता है क्योंकि इंसान के पास पैसे कमाने का सिर्फ एक ही जरिया हो और वो भी खत्म हो जाए तो यकीन मानिए पैसे के लिए मोहताज होना वाजिफ है. हालांकि हर शख्स के साथ ऐसा हो ये जरुरी तो नहीं. कई लोग होते हैं जो कंगाल होने के बावजूद फिर से कमबैक करते हैं और फिर दुनिया उनके नाम के कसीदे पढ़ते हैं।

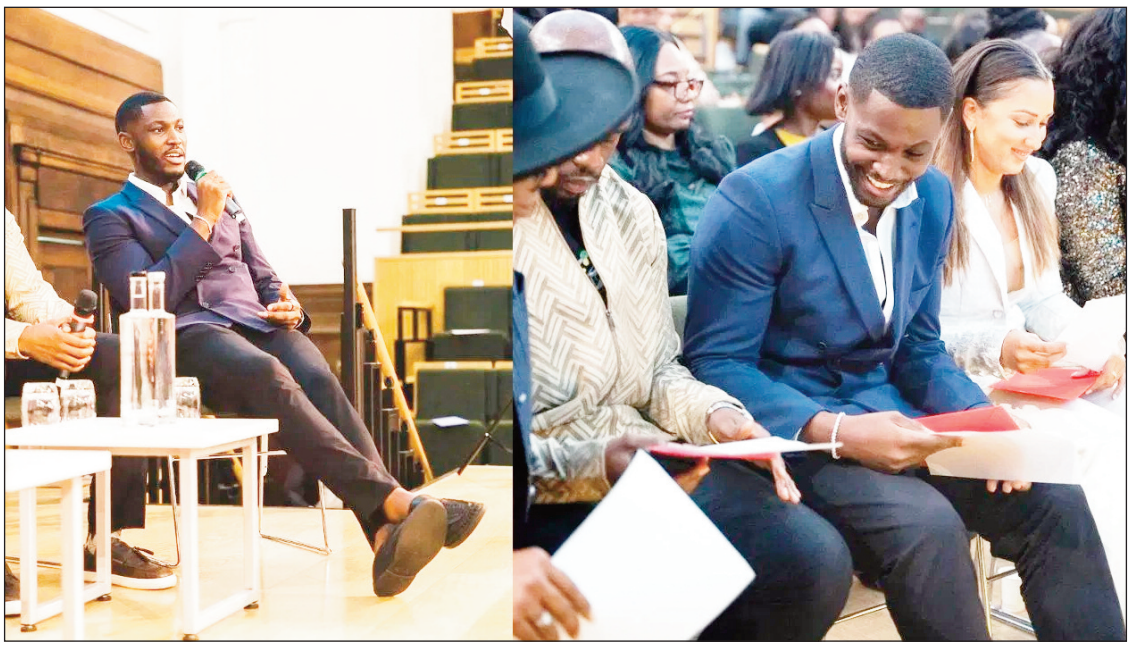

ऐसा ही ब्रिटेन का ब्रिटेन का एक शख्स इन दिनों लोगों के बीच चर्चा में है. जिसको जब उसकी कंपनी ने निकाला तो वो पाई-पाई के लिए मोहताज हो गया. लेकिन उसने ऐसे काम की शुरुआत की, जिससे उसे हर महीने 38 लाख रुपए की कमाई हो रही है. यहां हम बात कर रहे हैं 31 साल के अल्फ्रेड डज़ाडे के बारे में, जिनकी नौकरी जब चली गई तो वो पाई-पाई के लिए मोहताज हो गए. हालांकि उन्होंने नौकरी के दौरान कुछ पैसे बचा रखे थे. इन रुपयों की बदौलत उन्होंने तय किया कि वो प्रॉपर्टी खरीदेगा और उसे किराए पर चढ़ाकर और उस किराए से पैसे कमाएगा।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शख्स का आइडिया इतना तगड़ा फिट बैठा कि आज के समय में उनके पोर्टफोलियो में 9 प्रॉपर्टी और 47 करोड़ रुपये हैं, जिसके जरिए वो हर महीने 38 लाख रुपये कमा रहे हैं. फैक्ट्स और फिगर के तौर पर देखें तो ये एक आम ब्रिटिश की एवरेज एनुअल सैलरी से ज्यादा है, जो फोर्ब्स के अनुसार 36 लाख रुपये सालाना है. मीडिया को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि इस मुकाम तक पहुंचना मेरे लिए आसान नहीं था क्योंकि यहां तक पहुंचने के लिए दोस्तों और परिवार वालों को छोड़ दिया।

अपने इंटरव्यू में शख्स ने आगे कहा कि ये सारी कमाई बस तीन साल के दौरान की है. अब इस काम के साथ उन्हें किसी और तरह के काम की कोई जरूरत नहीं है. मेरे इस कामयाबी के पीछे आप मेरे शौक को भी जिम्मेदार ठहरा सकते हैं क्योंकि मैंने 25 की उम्र में ही मैंने अपने लिए घर खरीद लिया था और अपनी जिम्मेदारी से इतर मैंने पैसे जोड़ना शुरु कर दिए थे. इसके बाद जब मेरी नौकरी गई तो मैंने तो लोगों से इंवेस्टमेंट लेना शुरू कर दिया. जिसके बदले मैंने उन्हें अच्छा रिर्टन देने का वादा किया और आज के समय में आलम ऐसा है कि मैं अपने इंवस्टर को पैसा लौटाने के बावजूद आज अच्छा पैसा कमा रहा हूं।

इन जगहों पर मुफ्त में रह सकते हैं आप, नहीं खर्च होगा एक भी पैसा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : होटल और रिसॉर्ट्स का किराया देश के हर हिस्से में दिन-ब-दिन बढ़ता ही जा रहा है. ऐसे में घूमना-फिरना भी काफी महंगा हो चुका है. हालांकि हमारे देश में कुछ जगहें ऐसी भी हैं जहां आपको रहने और खाने के लिए कोई खर्च नहीं आएगा. तो अगली यात्रा करने से पहले अपने देश में मौजूद ऐसी जगहों की लिस्ट साथ रखिए उत्तराखंड में गोविंदा घाट गुरुद्वारा : आपको चाहे हेमकुंड साहिब जाना हो या फूलों की घाटी में ट्रैकिंग करनी हो, अलकनंदा नदी के तट पर स्थित इस गुरुद्वारे में रुकना पूरी तरह से मुफ़्त है. यह चमोली जिले में स्थित है. यहां रहने के साथ खाना भी बिना किसी पैसे के उपलब्ध रहता है.

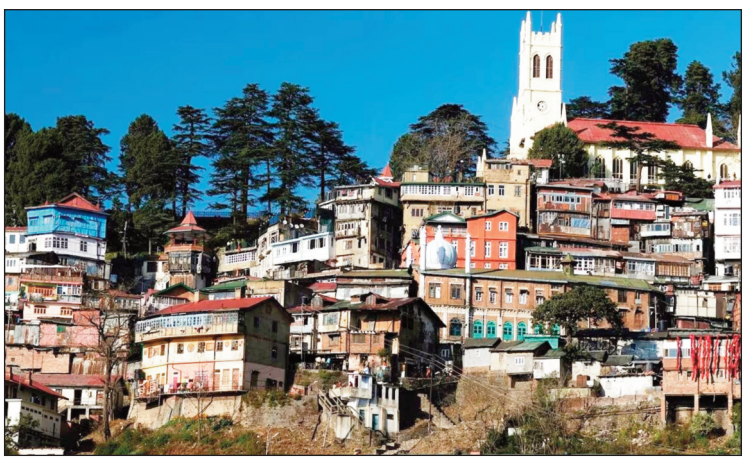

द्वारका, गुजरात में गुरुद्वारा भाई मोहकम सिंह जी : अगर आप गुजरात की यात्रा पर हैं, तो इस गुरुद्वारे में रुकना पूरी तरह से निःशुल्क है. यहां पर भी भोजन के पैसे नहीं लिए जाते गीता भवन, ऋषिकेश - गंगा के तट पर स्थित इस गीता भवन में पर्यटकों और तीर्थयात्रियों के रहने के लिए लगभग 1,000 कमरे हैं. यहां आवास के साथ-साथ भोजन भी पूरी तरह से निःशुल्क दिया जाता है। केरल का आनंदाश्रमः इस जगह पर भी आने वालों के लिए खाना और बिस्तर बिना शुल्क के उपलब्ध है. कोई चाहे तो इस आश्रम में स्वेच्छा से काम भी कर सकता है हिमाचल प्रदेश में मणिकर्ण साहिब गुरुद्वारा : अगर आप हिमाचल प्रदेश में घूमने गए हैं, तो आप मणिकरण साहिब गुरुद्वारा में रुक सकते हैं. यहां पर्यटकों को निःशुल्क आवास, भोजन और पार्किंग की सुविधा दी जाती है..

परंपरागत नमक से आर्थिकी सुधार रहीं महिलाएं

नई टिहरी। जौनपुर ब्लॉक के न्याय पंचायत म्याणी के ग्राम देवन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित नागदेवता स्वयं सहायता समूह पहाड़ी नमक तैयार कर रहा है। इसकी डिमांड मार्केट में अच्छी है। नमक में अगल-अगल प्राकृतिक चीजों का मिलाकर स्वादिष्ट बनाया जा रहा है। समूह टिमरू का नमक, लहसुन का नमक, जीरे का नमक बनाकर उसकी पैकिंग कर रहा है।

श्रीनगर में नूतन सत्र से डिग्री कॉलेज को संचालित करने की कवायाद शुरू

श्रीनगर गढ़वाल। कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने साल 2022 में श्रीनगर में डिग्री कॉलेज बनाये जाने की घोषणा की थी। जिसके बाद राजकीय इंटर कॉलेज श्रीनगर में खाली पड़ी भूमि को डिग्री कॉलेज के लिए उपयुक्त पाए जाने पर इसका चयन किया गया। यहां गढ़वाल विश्वविद्यालय के केंद्रीय विवि बन जाने से क्षेत्र के छात्र-छात्राओं को भी प्रवेश लेने में कठिनाइयां आती हैं। गढ़वाल के अभिभावकों और छात्रों की मांग पर कैबिनेट मंत्री ने सरकारी डिग्री कालेज खोलने को स्वीकृति दी थी। उच्च शिक्षा निदेशक प्रो. अंजू अग्रवाल ने मंगलवार को प्रस्तावित डिग्री कॉलेज का निरीक्षण किया। प्रो. अग्रवाल ने बताया कि कक्षाओं को संचालित किये जाने को लेकर राजकीय इंटर कॉलेज श्रीनगर के भवनों का निरीक्षण किया गया।

जखोली बड़मा में आयोजित अष्टादश पुराण महायज्ञ का समापन

रुद्रप्रयाग। विकासखण्ड जखोली की बड़मा पट्टी के दुनगेरा माता मंदिर प्रांगण सिद्धसौड़ में ग्यारह दिवसीय अष्टादश पुराण महायज्ञ मंगलवार को संपन्न हुआ। आयोजककर्ता और कथा व्यास आचार्य जगदम्बा प्रसाद उनियाल ने कथा सुनाते हुए कहा कि जिस मनुष्य को भगवान की भक्ति करने का सौभाग्य प्राप्त होता है वह सदैव चिन्ता से मुक्त होता है। भागवत कथा सुनने और करने से कई पीढ़ियों का उद्धार होता है। इसलिए मनुष्य को समय निकालकर अवश्य ही भागवत कथा को सुनना चाहिए। उन्होंने कहा है कि स्वच्छता से पवित्रता आती है और पवित्रता से सदैव मनुष्य के शरीर में परमात्मा का वास होता है। उन्होंने महायज्ञ में सहयोग देने वाले सभी भक्तों का व्यासपीठ से आभार व्यक्त किया।

सावधान : कहीं आपने तो शेयर नहीं करते OTP, बैंक अकाउंट हो जाएगा खाली

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : ऑनलाइन शॉपिंग आज कल बहुत कॉमन बात है. और लोग अलग-अलग साइट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या हो कोई फेक डिलीवरी का नाम लेकर आपके पूरे पैसे ऑनलाइन गायब कर दें। जी हां ऐसा हो रहा है। आजकल फेक डिलीवरी घोटाला या कैश-ऑन-डिलीवरी घोटाला वायरल हो रहा है। स्कैमर्स ई-कॉमर्स साइटों से डिलीवरी एजेंट बनकर लोगों के बैंक खातों से सीधे पैसे चुरा रहे हैं।

आइये इसके बारे में जानते हैं। ई-कॉमर्स साइट ने ऑनलाइन डिलीवरी धोखाधड़ी से लड़ने के लिए वन टाइम पासवर्ड (OTP) डिलीवरी वेरिफिकेशन शुरू किया है। इसमें, कस्टमर से कहा जाता है कि वे अपने डिलीवरी पैकेज की जांच करें और फिर पैकेज की पाने की पुष्टि करने के लिए अपने फोन पर मिलने वाले ओटीपी को डिलीवरी एजेंट के साथ साझा करें। लेकिन अब ये OTP शेयरिंग एक अलग तरह का स्कैम ला रहा है।

स्कैमर्स अब डिलीवरी एजेंट के रूप में लोगों से पैसे लुट रहे हैं। ऐसे कई मामलों रिपोर्ट किए गए ये स्कैमर डिलीवरी एजेंट के रूप में दरवाजे पर पहुंचते हैं और डिलीवरी से पहले लोगों से OTP मांगते हैं। एक बार जब कोई व्यक्ति OTP दे देता है, तो स्कैमर उनके फोन का क्लोन बना लेते हैं. या बैंक खातों जैसे उनके डाटा को एक्सेस कर लेते हैं।

स्कैमर्स उन लोगों को लक्षित करते हैं जो ई-कॉमर्स वेबसाइटों से बहुत अधिक खरीदारी करते हैं। वे उन लोगों पर नजर रखेंगे जो अक्सर डिलीवरी पैकेज लेते हैं और फिर डिलीवरी एजेंट होने का नाटक करते हुए उनके दरवाजे पर चले जाते हैं। बड़ी ई-कॉमर्स साइटों या डाकघर से पैकेज डिलीवरी का नाम लेंगे। इसके अलावा पे-ऑन डिलीवरी पार्सल कहकर भी वे अपने पैसे मांगते हैं।

अगर आप पैकेज लेने से मना करते हैं तो कैंसिल करने का नाटक करके डिलीवरी या कैंसिलेशन को प्रोसेस करने के लिए स्कैमर एक (OTP) मांगता है। स्कैमर्स को (OTP) देते ही वे आपके फोन का क्लोन बना लेते हैं। ऐसे वे आपके बैंक खाते के डिटेल को चुरा लेते हैं। कभी भी (OTP) किसी से शेयर न करें। अगर कोई पिन मांग रहा है तो उस व्यक्ति की पहचान वेरीफाई करें। कभी-कभी डिलीवरी कंपनियां डिलीवरी से पहले एक कोड भेजती हैं, ऐसी स्थिति में पैसे देने, OTP देने और डिलीवरी की पुष्टि करने से पहले हमेशा डिलीवरी पार्सल खोलकर चेक करें। अगर कोई डिलीवरी आपको कोई संदिग्ध डिलीवरी मिलती है. तो उसे स्वीकार न करें। ऑनलाइन भुगतान करने से भी आप इस समस्या से बच सकते हैं।

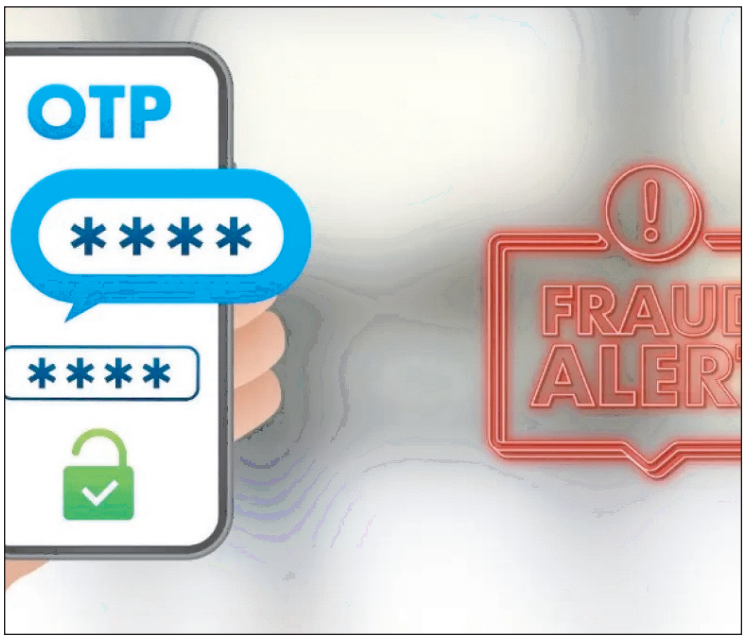

गर्मियों में हाथ और पैर में बार-बार आ रहा है पसीना, तो ये टिप्स आएंगी आपके काम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : गर्मियों के मौसम में हाथ-पैर में पसीना आना सामान्य है। हालांकि, कुछ लोगों को कम पसीना आता है, तो कुछ को बहुत ज्यादा, जिससे असुविधा हो सकती है। अगर आपको भी अधिक पसीना आने की समस्या है, तो हम आपके लिए कुछ उपाय लेकर आए हैं, जिसकी मदद से गर्मियों में पसीने के चिपचिपेपन से राहत पा सकते हैं। आइये जानते हैं गर्मी के महीनों के दौरान ड्राई और आरामदायक रहने के लिए कुछ आसान हैक्स।पसीने से तर हाथों और पैरों से राहत पाने के लिए हाइजीनिक रहना बेहद जरूरी है। पसीने और बदबू को बढ़ाने वाले बैक्टीरिया को कम करने के

लिए नियमित रूप से अपने हाथों और पैरों को साबुन से धोएं। हाथ और पैर को धोने के बाद उन्हें अच्छी तरह से सुखाना न भूलें। साफ और सूखा रखने से नमी को रोकने में मदद मिलती है। एंटीपर्सपिरेंट्स अंडरआर्म्स तक ही सीमित नहीं हैं। ये हाथों और पैरों में भी पसीने को कम करने में मददगार हो सकते हैं। कोशिश करें कि ऐसे एंटीपर्सपिरेंट को चुनें, जो खासतौर से शरीर के इन हिस्सों के लिए डिजाइन किए गए हों। एंटीपर्सपिरेंट्स पसीने की नलिकाओं को अस्थायी रूप से बंद करने का काम करते हैं, जिससे पसीने की मात्रा कम हो जाती है।

पसीने से तर पैरों से राहत पाने के लिए सही जूते को चुनना बेहद जरूरी है। इसके लिए चमड़े या कैनवास जैसी सांस लेने योग्य जूतों का चयन करें, जिससे उनमें हवा का सर्कुलेशन हो सके और पैरों में नमी को रोकने में मदद मिले। सिंथेटिक मैटेरियल से बने जूतों को पहनने से बचें, जो गर्मी और नमी को लॉक कर सकते हैं। इसके अलावा, नमी सोखने वाले मोज़े पहनें, जो स्किन से पसीना सोख सकें। वहीं दिन में कई बार मोज़े बदलने से भी पैरों को सूखा रखने में मदद मिल सकती है। हर बार पसीने का कारण केवल गर्मी ही नहीं होती। कई बार स्ट्रेस लेवल के कारण भी अत्यधिक पसीना आ सकता है, इसलिए हाथों और पैरों में पसीने को मैनेज करने के लिए स्ट्रेस मैनेज करना बेहद जरूरी है। तनाव के स्तर को कम करने के लिए गहरी सांस लें, ध्यान और योग जैसी तकनीकों से इससे राहत पाया जा सकता है। नियमित व्यायाम पसीने के उत्पादन को नियंत्रित करने और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में भी मदद कर सकता है।

अजब-गजब : इस गाँव में दूल्हा नहीं बल्कि उसकी बहन लेती है दुल्हन के साथ फेरे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : भारत एक बहुत बड़ा और सांस्कृतिक विविधता से भरा हुआ देश है। भारत के लगभग हर क्षेत्र की अपनी एक अलग खासियत और परंपरा है। हालांकि, कुछ ऐसी परंपराएँ भी हैं, जिनके बारे में जानकर लोगों को बहुत हैरानी होती है। आज हम आपको एक ऐसी ही शादी की अनोखी परंपरा के बारे में बताने जा रहे हैं। जी हाँ, इस परंपरा के अंतर्गत शादी के दौरान दूल्हा नहीं बल्कि उसकी बहन दुल्हन के साथ सात फेरे लेती हैं।

जानकारी के अनुसार, यह परंपरा गुजरात के आदिवासी इलाकों की है। यहाँ दूल्हे को अपनी बारात में जाने की अनुमति नहीं होती है और वह घर पर ही रहता है।

उसकी जगह उसकी अविवाहित बहन बारात लेकर जाती है और दूल्हे के रूप में सारी रस्में अदा करती है। अगर दूल्हे की कोई बहन नहीं है, तो उसकी जगह परिवार की कोई कुँवारी कन्या दूल्हे की तरफ़ से जाती है और वही दुल्हन के साथ सात फेरे भी लेती है।

सूरखेड़ा गांव के कांजी भाई राठवा कहते हैं, ₹आमतौर पर सारी पारंपरिक रस्में जो दूल्हा निभाता है, वह उसकी बहन करती है। यहाँ तक कि मंगल फेरे भी बहन ही लेती है।₹उन्होंने आगे बताया, ₹इस अनोखी परंपरा का पालन यहाँ के तीन गाँवों में ही होता है। ऐसा माना जाता है कि अगर इस परंपरा का पालन न करें तो कुछ न कुछ अशुभ ज़रूर हो जाता है।₹शायद इसी डर की वजह से लोग परंपरा का पालन करते हैं।

वहीं गांव के मुखिया का कहना है कि जब भी किसी ने इस परंपरा को अनदेखा करने की कोशिश की है, उनका कुछ न कुछ नुकसान ज़रूर हुआ है। उनके अनुसार, कई बार लोगों ने इस परंपरा को तोड़ने की कोशिश की और देखा गया कि या तो जोड़ों की शादी टूट जाती है या उनका वैवाहिक जीवन सुखद नहीं रहता है। कई बार कुछ और समस्याएं देखने को भी मिलती हैं। इस अनोखी परंपरा के बारे में पंडितों का कहना है कि यह परंपरा आदिवासी संस्कृति की पहचान है। यह एक लोककथा का हिस्सा है, जिसका पालन अनंतकाल से किया जा रहा है। इस कथा के अनुसार, तीन गांवों सूरखेड़ा, सानदा और अंबल के ग्राम देवता कुँवारे हैं। इसलिए उन्हें सम्मान देने के लिए दूल्हा घर पर ही रहता है। ऐसा माना जाता है कि ऐसा करने से दूल्हा सुरक्षित रहता है, जबकि न करने पर विनाश होता है।

गर्मियों में छाछ पीने से मिलते है कई गजब के फायदे

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : अप्रैल की शुरुआत के साथ ही गर्मी का सितम शुरू हो गया है। बढ़ते तापमान ने अभी से लोगों को परेशान करना शुरू कर दिया है। तेज गर्मी और चिलचिलाती धूप की वजह से लोगों का हाल बेहाल होने लगा है। ऐसे में इस मौसम खुद को हेल्दी रखने के लिए अपनी लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव करना जरूरी है। गर्मियों अक्सर ठंडक पाने के लिए कोल्ड ड्रिंक्स (Cold Drinks) पीना पसंद करते हैं, लेकिन यह ड्रिंक्स आपकी सेहत के लिए जहर से कम नहीं हैं। इसकी वजह से आपको कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसे में आप गर्मियों में कोल्ड ड्रिंक्स की एक बोतल को एक ग्लास छाछ से रिप्लेस कर सकते हैं। यह आपके स्वास्थ्य के लिए अच्छी होती है और बिना किसी मिलावट वाली आपको एनर्जी देने वाली ड्रिंक्स है। आइए जानते हैं गर्मियों में छाछ पीने के कुछ हैरान करने वाले फायदों के बारे में- हाइड्रेट रखेदही, नमक और पानी से मिलकर तैयार छाछ शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स और तरल पदार्थों के स्तर को संतुलित करती है। इस वजह से इसे गर्मी के दिनों में पीने से आपको खुद को हाइड्रेट रखने में मदद मिलती है और जब आप डिहाइड्रेटेड और थके हुए महसूस कर रहे होते हैं, तो एक गिलास छाछ आपको

एनर्जी देती है।शरीर को ठंडा रखेसोडा युक्त कोल्ड ड्रिंक्स आपको कुछ पल के लिए गर्मी से राहत पहुंचाते हैं, लेकिन पोषक तत्वों से भरपूर छाछ शरीर को अंदर से ठंडक पहुंचाती है। छाछ में मौजूद कूलिंग इफेक्ट शरीर के तापमान को प्रभावी ढंग से कम कर सकते हैं। साथ ही यह मेनोपॉज के दौरान महिलाओं को हॉट फ्लैशेस से निपटने में भी मदद करता है।

कब्ज से राहत दिलाए

अगर आप कब्ज जैसी पाचन संबंधी समस्या से परेशान रहते हैं, तो रोज सुबह खाली पेट छाछ पीने से आपको कब्ज से राहत मिलेगी। यह आपके पेट को बीमारियों से बचाता है और ब्लोटिंग की समस्या से भी छुटकारा दिलाता है।गट हेल्थ के लिए गुणकारीदही में बेहतरीन प्रोबायोटिक गुण होते हैं और चूंकि छाछ एक दही आधारित पेय है, यह पाचन तंत्र में अच्छे बैक्टीरिया के प्रोडक्ट्शन को बढ़ाने में मदद करता है। एक स्वस्थ पाचन तंत्र आपको सेहतमंद बनाने में मदद करता है।वजन घटाने में मददगारआमतौर पर वजन कम करने के लिए लोग डेयरी प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल से बचते हैं। हालांकि, यह धारणा गलत है। अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं, तो छाछ को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। छाछ में वसा के बिना दूध में मौजूद सभी पोषक तत्व मौजूद होते हैं। एक ग्लास छाछ पीने से लंबे समय तक आपका पेट भरा रहता है, जिससे आप ज्यादा खाने के बच रहते हैं।

डीडीओ के समक्ष पानी की समस्या रखी

नई टिहरी। इस दौरान ग्रामीणों ने अवगत कराया कि गांव में पानी की बेहद समस्या है, जिससे ग्रामवासियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गांव के नीचे की ओर एक जलस्रोत है, जो कि काफी दूरी पर स्थित है। इससे गांव में पीने के पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही है। जिसे लेकर जिला विकास अधिकारी ने कहा कि पुराने श्रोतों को रिचार्ज करने के लिए चैकडेम के जरिए पुनरूद्धार और उपचार, धारा-नौला के संरक्षण का काम किए जाने की आवश्यकता है।

केदारनाथ पैदल मार्ग से घोड़े से गिरकर यात्री घायल

रुद्रप्रयाग। सुबह करीब साढ़े नौ बजे सेक्टर मजिस्ट्रेट भीमबली की ओर से डीडीआरएफ और एसडीआरएफ को सूचना दी गई कि भीमबली के समीप तेलंगाना निवासी यात्री 72 वर्षीय दयावा लिंगा रेड्डी घोड़े से गिर गए हैं। चलने में असमर्थ होने के कारण मदद की जरूरत है। भीमबली से यात्री को एमआरपी भीमबली लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार किया गया। डीडीआएफ टीम ने जंगलचट्टी से यात्री को चीरबासा हेलीपैड लाया गया। इसके बाद चीरबासा से गौरीकुंड लाया गया। यहां एम्बुलेंस के जरिए अस्पताल भिजवाया गया।

जखोली महाविद्यालय में प्रवेश की अन्तिम तिथि अब 14 जून को

रुद्रप्रयाग। राजकीय महाविद्यालय जखोली में शिक्षा सत्र 2024- 25 के लिए प्रवेश की तिथि बढ़ाकर 14 जून की गयी है। प्राचार्य डॉ. माधुरी ने बताया कि महाविद्यालय में नव प्रवेशार्थियों के लिए छात्र संघ की ओर से विशेष जन जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। महाविद्यालय प्रवेश समिति के नोडल अधिकारी डॉ.देवेश चन्द्र ने सभी विद्यार्थियों को फैसिलिटेशन सेंटर द्वारा महाविद्यालय में प्रवेश की सभी प्रक्रियाओं से अवगत कराया।

जिला प्रशासन ने बद्रीनाथ विधानसभा उपचुनाव की तैयारियां की शुरू

चमोली। बद्रीनाथ विधानसभा उप चुनाव को स्वतंत्र, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर अपर जिला निर्वाचन अधिकारी अभिनव शाह ने वीसी रूम में सभी एआरओ एवं नोडल अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियो को भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार निर्वाचन संबधी सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण करने के निर्देश दिए। अपर जिला निर्वाचन अधिकारी ने पुलिस एवं सेक्टर अधिकारी सभी वल्नरेबल एवं क्रिटिकल बूथों का संयुक्त निरीक्षण करते हुए मैपिंग करने, सीईओ को नये बनाए गए 9 बूथों का निरीक्षण करने के साथ ही संबंधित नोडल अधिकारियों को सभी मतदेय स्थलों पर रैम्प, पानी, विद्युत, शैड़, दरवाजे, खिड़की, फर्नीचर एवं अन्य जरूरी सुविधाओं को दुरस्थ करने के निर्देश दिए। उन्होंने सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट नियुक्त करने, पोलिंग पार्टियों को ईवीएम, वीवीपैट वितरण के साथ पोलिंग पार्टियों का मूवमेंट प्लान तैयार करने को कहा। उन्होंने निर्वाचन नियंत्रण कक्ष, शिकायत निवारण प्रकोष्ठ, व्यय लेखा एवं निगरानी व व्यय अनुवीक्षण प्रकोष्ठ, एमसीएमसी, मीडिया सेंटर, लेखन सामग्री, वोटर स्लिप, वीडियोग्राफी आदि व्यवस्थाएं भी समय से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

एक ऐसी नदी जिसमें बहता है 'Rainbow', देखने वाले हो जाते हैं हैरान

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : दुनिया में ऐसी बहुत सी जगहें हैं जिसे आप जब पहली बार देखेंगे तो वो आपको दूसरी दुनिया की ही लगेगी. ऐसी ही एक जगह कोलंबिया में है. यहां एक नदी है, जिसमें 'इंद्रधनुष' (Rainbow River) बहता है. आप सोचेंगे कि रेनबो तो आसमान में निकलता है, वो भी बारिश के वक्त तो फिर नदी में कैसे निकलने लगा! तो चलिए आपको बताते हैं कि इस नदी का क्या राज है।

कोलंबिया की पांच रंगों वाली कैनो क्रिस्टेल्स नदी में 5 अलग-अलग रंग देखने को मिलते हैं. नेशनल जियोग्राफी के अनुसार इसे गार्डन ऑफ ईडन यानी देवताओं का बागीचा नाम दिया है. जुलाई से लेकर नवंबर तक के महीनों में इस नदी में पांच रंग दिखाई पड़ते हैं. पांच रंग पीले, हरे, नीले, काले और सुर्ख लाल नदी के पानी में बिखरे होने की वजह से इसे दुनिया की सबसे खूबसूरत नदी भी माना जाता है. इसे इंद्रधनुषी पानी को लिक्विड रेनबो भी कहते हैं।

इस नदी में सबसे ज्यादा दिखाई देने वाला रंग लाल है. इसकी वजह है मै किरिनिया क्लेविगेरा नाम का पौधा जो इस नदी की सतह में मिलता है. जैसे ही इस पौधे पर सूरज का प्रकाश पड़ता है इसके ऊपर का पानी लाल हो जाता है. अन्य चार रंग भी ऐसे ही अलग-अलग प्रभाव की वजह से दिखाई पड़ते हैं. जैसे नदी का पानी नीला है. पानी के नीचे काली चट्टानें हैं तो हरी बालू और पीले पौधे हैं, जिनकी वजह से नदी सूरज की किरणों के साथ मिलकर अलग-अलग रंगों में दिखाई देती है।

इस नदी को देखने के लिए खूब सैलानी आते हैं. अब यहां जाने के लिए La Macarena नाम के शहर पहुंचना पड़ता है. इस नदी की एक खासियत ये भी है कि इसमें कोई जंगली जानवर या खतरनाक मछली नहीं है. नदी के निचले हिस्से में ऐसी ठोस चट्टानें हैं, जिनकी वजह से उसमें जीव नहीं रहते हैं. ये नदी 62 मील लंबी है और 65 मील चौड़ी है।

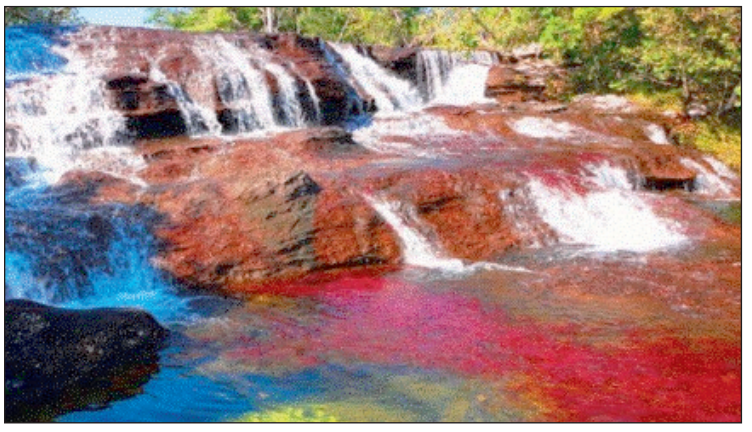

आपके जिस्म में बदबू कहां से आती है, पढ़िए रोचक फैक्ट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : पसीने की बदबू लोगों को काफी परेशान कर देती है. जब किसी के पसीने में ज्यादा बदबू आती है, तो उसे यह छिपाने के लिए कई तरह के बॉडी स्प्रे और परफ्यूम इस्तेमाल करने पड़ते हैं. गर्मियों के मौसम में लोगों को खूब पसीना आता है और कई लोगों के पसीने में बहुत तेज स्मेल आती है. क्या आप जानते हैं कि हमारे पसीने में किसी तरह की बदबू या खुशबू नहीं होती है. जी हां, हमारे पसीने में किसी तरह की स्मेल नहीं होती है, लेकिन इसके बावजूद लोगों को बदबू का सामना करना पड़ता है. जब पसीने में कोई स्मैल होती ही नहीं है, तो फिर बदबू क्यों आती है?

हार्वर्ड हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार हमारे शरीर में पसीना आने के लिए दो ग्रंथियां (Glands) एक्राइन और एपोक्राइन जिम्मेदार होती हैं. जब हमारा शरीर गर्म होने लगता है, तब ये ग्लैंड्स स्किन पर फ्लूड रिलीज करती हैं, जिसे पसीना कहा जाता है. पसीना बॉडी के टेंपरेचर को मेंटेन करने के लिए जरूरी होता है. ये ग्रंथियां आपके पूरे शरीर में होती हैं, जिसकी वजह से हर अंग पर पसीना आने लगता है. पसीने में कोई स्मैल नहीं होती है, लेकिन जब आपके शरीर के बैक्टीरिया एपोक्राइन ग्रंथियों से निकलने वाले पसीने के संपर्क में आते हैं, तब पसीने में बदबू आने लगती है. यानी पसीने में बदबू की वजह शरीर के बैक्टीरिया होते हैं.

अब सवाल उठता है कि कुछ लोगों के पसीने में ज्यादा बदबू क्यों आती है, जबकि कई लोगों के पसीने में कम स्मैल आती है? इस पर एक्सपर्ट्स का कहना है कि जिन लोगों को सामान्य से अधिक पसीना आता है, उनमें हाइपरहाइड्रोसिस कंडीशन हो सकती है. यह कंडीशन बिना किसी वजह से पैदा हो सकती है और इसका इलाज किया जा सकता है. इस कंडीशन की वजह से कई लोगों को ज्यादा पसीना आता है और उनके पसीने में दुर्गंध आने लगती है. किसी तरह का इंफेक्शन, हाइपरथायरायडिज्म, स्ट्रेस, कुछ दवाएं और शराब के सेवन के कारण भी आपको सामान्य से अधिक पसीना आ सकता है, जिसमें दुर्गंध होती है.

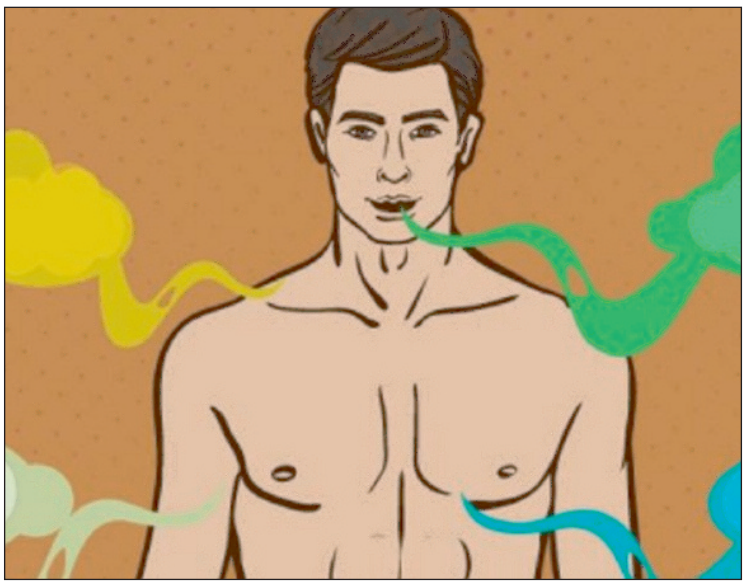

कई खाने-पीने की चीजों का असर भी हमारे शरीर की गंध पर पड़ता है. ब्रोकोली, पत्तागोभी और फूलगोभी जैसी क्रूसिफेरस सब्जियां गैस पैदा करती हैं. इससे शरीर से दुर्गंध आ सकती है. इसके अलावा शरीर में लहसुन और प्याज के टूटने से सल्फर जैसे यौगिक निकलते हैं जो आपके छिद्रों से बाहर निकलते हैं. इसकी वजह से आपके पसीने से ज्यादा बदबू आने लगती है. इसके अलावा मछली व अन्य सी फूड्स का सेवन करने से भी आपके शरीर से गंदी स्मैल आ सकती है. इन चीजों को अवॉइड करके भी आप अपने शरीर की स्मैल को बेहतर कर सकते हैं.

पसीने की बदबू से छुटकारा पाने का तरीका

इस समस्या से बचने के लिए रोज साबुन से नहाए. नहाने के दौरान डिओडराइजिंग साबुन का इस्तेमाल कर सकते हैं. आप आर्मपिट और अन्य हिस्सों की सेविंग कर पसीने में आने वाली बदबू से बच सकते हैं. कुछ डिओडरेंट की मदद से भी आप शरीर की स्मेल को कुछ घंटों तक रोक सकते हैं और पर्सनैलिटी को बेहतर बना सकते हैं. इसके अलावा जिम या अन्य फिजिकल एक्टिविटी के बाद भी आप शावर ले सकते हैं. इससे आपको पसीने की बदबू से काफी हद तक राहत मिल सकती है.

धूप खानी है तो 900 रुपये दो' रेस्टोरेंट की अजीबोगरीब सर्विस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

ब्यूरो रिपोर्ट 12 जून : दुनिया में बहुत से अलग-अलग होटल और रेस्टोरेंट होते हैं. सभी की अपनी खासियत और खूबी होती है. यहां आने वाले लोग उनकी इसी क्वालिटी को देखने और एंबियंस को महसूस करने के लिए वहां पहुंचते हैं. एक ऐसे ही स्पैनिश रेस्टोरेंट में आने वाले ग्राहक तब हैरान रह गए, जब उन्हें बिल के साथ एक बेहद अजीब चार्ज दिखाई दिया।

आज की दुनिया में सारी चीजें पैसे से मिल रही हैं, बस सूरज की गर्मी और हवा ही फ्री में मिल रहा है. कहीं-कहीं तो स्वच्छ हवा के भी पैसे लगते हैं. बताइए, जो चीज हम फ्री में लेते हैं, एक रेस्टोरेंट उसके भी पैसे वसूल रहा है. सुनकर आपको भले ही अजीब लगे लेकिन स्पेन के एक शहर Seville में टूरिस्ट्स से धूप में बैठने के भी पैसे वसूले जा रहे हैं.'धूप खानी है तो पैसे दो'एक रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिणी स्पेन के सेविले शहर में घूमने आने वालों को एक अलग ही परिस्थिति से जूझना पड़ रहा है. यहां के रेस्टोरेंट्स में पर्यटकों से पूछा जाता है कि वो धूप में बैठकर खाना खाना पसंद करेंगे? चूंकि स्पेन में ठंड होती है, ऐसे में हर कोई ऐसा करना चाहेगा

लेकिन उन्हें आइडिया नहीं होता कि इसके बदले उनके £8.50 यानी भारतीय मुद्रा में 897 रुपये देने पड़ेंगे. यही वजह है कि पर्यटक ऐसे रेस्टोरेंट्स के लिए गंदा रिव्यू लिख रहे हैं और ये स्थानीय लोगों को भी बुरा लगता है.खाली रहती हैं टेबल्सदिलचस्प बात ये है कि जैसे ही पर्यटकों को पता चलता है कि सिर्फ धूप में बैठकर खाने के लिए उन्हें इतने पैसे देने पड़ेंगे, वो ये आइडिया तुरंत ही ड्रॉप कर देते हैं. रेस्टोरेंट्स में ज्यादातर धूप में रखी टेबल्स खाली ही रहती हैं. ऐसे में स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह का बिजनेस अच्छा नहीं है, बेहतर है कि वो ये टेबल्स वो घर पर ही रख लें, ताकि लोग वहां बैठकर धूप ले सकें. वहीं रेस्टोरेंट का कहना है कि इस प्रीमियम सर्विस के बारे में उन्होंने साफ तौर पर लिख रखा है।

पेयजल कर्मचारियों ने किया जल भवन पर विरोध-प्रदर्शन

देहरादून। जल निगम जल संस्थान संयुक्त मोर्चा से जुड़े कर्मचारियों ने जल भवन नेहरू कालोनी में विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। सोमवार को कर्मचारियों ने धरना देने के साथ ही नारेबाजी कर विरोध जताया। मोर्चा के बैनर तले सोमवार से चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया गया। जल संस्थान और जल निगम के कर्मचारी, पेंशनर्स नेहरू कालोनी में जुटे। एक सिरे से कर्मचारियों, पेंशनर्स ने जल संस्थान के अफसरों के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर विरोध जताया। संयोजक रमेश बिंजौला ने कहा कि सरकार पेयजल के राजकीयकरण को गंभीर है। राजकीयकरण होने तक सरकार कर्मचारियों को ट्रेजरी से वेतन, पेंशन का भुगतान करना चाहती है। इसके लिए शासन स्तर से लगातार प्रयास जारी है, लेकिन जल संस्थान के अफसर निजी स्वार्थों के कारण ऐसा नहीं होने दे रहे हैं। सरकार को गलत रिपोर्ट भेजी गई है। ऐसा करने वाले अफसरों के खिलाफ पोल खोल अभियान चलाया जाएगा। संयोजक विजय खाली ने कहा कि लोनिवि, सिंचाई, लघु सिंचाई समेत अन्य तमाम विभाग राजकीय है। दूसरे प्रदेशों में पेयजल तक राजकीय विभाग है। ऐसे में उत्तराखंड में क्यों पेयजल जैसे सबसे अहम विभाग को राजकीय नहीं किया जा रहा है। इससे सरकार और आम जनता दोनों को नुकसान हो रहा है। बार बार वेतन, पेंशन का संकट खड़ा होता है। कर्मचारियों को अवकाश नगदीकरण का पैसा नहीं मिल रहा है। राशिकरण की सुविधा समाप्त है। महंगाई भत्ते तक का लाभ समय पर नहीं मिलता। ऐसे में जब सरकार वेतन, पेंशन समय पर सुनिश्चित कराने को ट्रेजरी से भुगतान का विकल्प दे रही है, अफसरों के स्तर से अड़चन डाली जा रही है। ऐसा करने वालों के खिलाफ हल्ला बोल अभियान शुरू किया जाएगा। विरोध जताने वालों में संजय जोशी, महेश राम, रामचंद्र सेमवाल, धन सिंह नेगी, श्याम सिंह नेगी, शिशुपाल रावत, संदीप मल्होत्रा, आशीष तिवारी, धन सिंह चौहान, चतर सिंह, प्रदीप तोमर, बीपी भद्री, लक्ष्मी नारायण भट्ट, सौरभ बर्त्वाल, ईश्वर पाल शर्मा, नरेंद्र कुमार, हिमांशु पंत, मेहर सिंह, अमित कुमार, राजकुमार अग्रवाल, रमेश चंद्र शर्मा, मनोज सक्सैना, रमेश आर्य, पूरण जोशी, सुधीर काला, अशोक थापा, भारत सिंह रावत, कुलदीप सैनी, अशोक हरदयाल, किरण धनई, शशिबाला, कविता नेगी, संतोष पुंडीर, शांता देवी, ममता भाकुनी, निशु शर्मा, देवेंद्र गुप्ता, संजय शर्मा आदि मौजूद रहे।

21 जून से पेयजल सप्लाई ठप, सीधे हड़ताल : धरने में तय हुआ कि 16 जून तक धरना लगातार जारी रहेगा। इसके बाद भी यदि जल संस्थान की ओर से ट्रेजरी से वेतन, पेंशन भुगतान को हामी भरते हुए रिपोर्ट नहीं दी गई, तो 21 जून से पूर्ण कार्यबहिष्कार शुरू कर दिया जाएगा। प्रदेश स्तर पर हड़ताल शुरू कर दी जाएगी।

पौड़ी पुलिस घायल बुजुर्ग के लिये बनी फरिश्ता

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 12 जून : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक पौड़ी लोकेश्वर सिंह द्वारा जनपद के समस्त पुलिस कार्मिकों को दैनिक ड्यूटी के साथ साथ मानवतावादी भरे कार्यो को करने हेतु भी प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसके क्रम में पाटीसैंण बाजार में एक बुजर्ग व्यक्ति चन्दन सिंह बिष्ट उम्र-77 वर्ष बस में चढ़ते वक्त बस की सीढ़ियों से अचानक फिसल गये और सड़क पर गिर गए जिससे उनके सिर पर चोट लग गयी और वह बेहोश हो गये वहीं पास में चौकी प्रभारी पाटीसैण अपने सहकर्मियों के साथ वाहन चेकिंग कर रहे थे तो पुलिस टीम द्वारा बिना देरी किये ही स्थानीय व्यक्तियों की सहायता से तत्काल उक्त बुजुर्ग व्यक्ति को पाटीसैण प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाकर प्राथमिक उपचार कराया गया।

लेकिन चिकित्सक द्वारा उक्त बुजुर्ग व्यक्ति चन्दन सिंह बिष्ट को हंस फाउंडेशन सतपुली रेफर किया गया पुलिस टीम द्वारा घायल व्यक्ति को 108 के माध्यम से हंस फाउंडेशन अस्पताल पहुँचाया गया जहाँ पर इलाज करने के तत्पश्चात चन्दन सिंह का स्वास्थ्य बिल्कुल ठीक है। बुजुर्ग व्यक्ति को तत्काल मौके से अस्पताल पहुँचाने में जनता के स्थानीय व्यक्ति भीम सिंह बिष्ट, पुत्र राजेन्द्र सिंह बिष्ट, मूल निवासी ग्वाड़ तल्ला, पो0 पाटीसैंण जनपद पौड़ी गढ़वाल ने गुड सिमेरिटन की भूमिका निभाई गयी। परिजनों एवं स्थानीय व्यक्तियों द्वारा पुलिस की त्वरित कार्यवाही की प्रशंसा की गयी।

जनता के व्यक्ति (गुड सिमेरिटन की भूमिका) भीम सिंह बिष्ट, पुत्र राजेन्द्र सिंह बिष्ट, मूल निवासी ग्वाड़ तल्ला, पो0 पाटीसैंण जनपद पौड़ी गढ़वाल।

पुलिस टीम-1. उ0नि0 मुकेश गैरोला प्रभारी चौकी पाटीसैण2. कान्स 0 84 ना0पु0 पंकज रावत

घायल बुजुर्ग व्यक्ति-चन्दन सिंह बिष्ट (उम्र-77 वर्ष) पुत्र स्व0 आलम सिंह बिष्ट, निवासी ग्राम ग्वाड़ तल्ला, पो0 पाटीसैंण, जनपद पौड़ी गढ़वाल।

संपादकीय

सरकार नई, चेहरे पुराने

केंद्रीय मंत्रिपरिषद के स्पष्ट संकेत हैं कि यह निरंतरता की ही सरकार है। भाजपा के अल्पमत का तनाव और गठबंधन के दबावों, सवालों की जरा-सी भी चिंता प्रधानमंत्री मोदी को नहीं है। कार्यभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री ने प्रथम हस्ताक्षर 'किसान सम्मान निधि' वाली फाइल पर किए, तो किसी भी मंत्री को जानकारी नहीं थी। प्रधानमंत्री ने 9.30 करोड़ किसानों के लिए 20,000 करोड़ रुपए जारी किए। किसानों की 17वीं किस्त दी गई। शाम को कैबिनेट की प्रथम बैठक में ही गरीबों के लिए ऐसे 3 करोड़ आवास बनाने की योजना को स्वीकृति दी गई, जिनमें शौचालय, एलपीजी, नल और बिजली के कनेक्शन की सुविधाएं भी होंगी। ये मकान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में बनाए जाएंगे। मोदी सरकार अपने 10 साला कालखंड में ऐसे 4.21 करोड़ मकान बनाकर बांट चुकी है। सबसे महत्वपूर्ण यह रहा कि पिछली सरकार में जो मंत्री रक्षा, गृह, सडक़ परिवहन, विदेश, वित्त, शिक्षा, रेल, पेट्रोलियम, वाणिज्य-उद्योग, कानून और पर्यावरण आदि मंत्रालयों के प्रभारी थे, उन्हीं चेहरों को यथावत कार्यभार सौंपा गया है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा 2014 की मोदी सरकार में ही स्वास्थ्य मंत्री थे। अब 2024 की कैबिनेट में भी वह स्वास्थ्य मंत्री बनाए गए हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया, सर्बानंद सोनोवाल, किरेन रिजीजू, प्रह्लाद जोशी, मनसुख मांडविया, गजेन्द्र शेखावत, जी किशन रेड्डी आदि पुराने मंत्री हैं, जिन्हें नए मंत्रालय के साथ नई सरकार का हिस्सा बनाया गया है। कई राज्यमंत्रियों के भी मंत्रालय वही पुराने रखे गए हैं। सबसे संवेदनशील सुरक्षा की कैबिनेट कमेटी में भी कोई फेरबदल नहीं किया गया है। प्रधानमंत्री मोदी पर तेलुगूदेशम पार्टी (टीडीपी), जनता दल-यू, शिवसेना, एनसीपी सरीखे सहयोगी दलों का कोई दबाव और तनाव दीखता नहीं है। उन्हें प्रधानमंत्री ने अपने विशेषाधिकार के अनुसार मंत्रालय सौंपे हैं। सरकार में प्रधानमंत्री समेत 72 मंत्री हैं, जिनमें से 61 मंत्री भाजपा के हैं। हिंदी भाषी क्षेत्रों से 36 मंत्री और दक्षिण भारत से 13 मंत्री लिए गए हैं। महिला मंत्रियों की संख्या 7 है। शायद इसी आंकड़े की परंपरा रही है। मौजूदा मंत्रिपरिषद की औसत आयु 58.7 साल है, जबकि 2019 में यही 60 साल के कुछ ऊपर थी। हालांकि कैबिनेट में 7 पूर्व मुख्यमंत्री हैं, लेकिन हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर को ऊर्जा, आवास एवं शहरी विकास मंत्रालय दिए गए हैं और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को कृषि और ग्रामीण विकास मंत्रालय का दायित्व सौंपा गया है। रेल के साथ-साथ सूचना-प्रसारण मंत्रालय भी अश्विनी वैष्णव को दिया गया है। वह प्रौद्योगिकी सम्पन्न मंत्री हैं, सूचनाओं को दबाने या बांटने के खेल से अनभिज्ञ हैं, लिहाजा सूचना मंत्रालय दिए जाने पर आश्चर्य होता है। संभव है कि जब कैबिनेट का विस्तार या फेरबदल होगा, तो यह मंत्रालय किसी और मंत्री को दिया जा सकता है। इसी तरह ऊर्जा मंत्रालय भी तकनीक और विज्ञान पर आधारित मंत्रालय है। खट्टर के संदर्भ में तालमेल मुश्किल हो सकता है। बहरहाल शिवराज सिंह चौहान पर इतना बोझ, दायित्व डाल दिया गया है, जितना उन्होंने मुख्यमंत्री के 16.5 सालों के दौरान महसूस नहीं किया होगा। किसान और गांव परस्पर पूरक हैं। नए मंत्री के सामने जलता और उबलता-सा सवाल होगा कि फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की कानूनी गारंटी का क्या किया जाए? किसानों की आय कब तक और किस तरह दोगुनी की जा सकती है?

दैनिक न्यूज़ वायरस

संपादक : मौ.सलीम सैफी न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक मौ.सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून से प्रकाशित। **फ़ोन :** 0135-4066790, 2672002

RNI No. : UTTHIN/2012/44094 **Cert. Ser. No. :** 31406 **E-mail :** dainiknewsvirus@gmail.com

Website : www.newsvirusnetwork.com **YouTube :** TV News Virus

न्याय क्षेत्राधिकार : जनपद देहरादून (उत्तराखंड), भारत

दो बाइक भिड़ी, एक युवक की हालत गंभीर

रुड़की। पथरी थाने के बुड्ढाहेड़ी निवासी इलताफ का बेटा इस्तियाक लक्सर की एक फैक्ट्री में काम करता है। बीती शाम 7 बजे वह काम करके घर लौट रहा था। बहादरपुर खादर चौक पर दूसरी बाइक ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे वह घायल हो गया। उसे लक्सर के नर्सिंग होम ले जाया गया, जहां से उसे हरिद्वार भेज दिया। इस्तियाक अभी गंभीर हालत में हरिद्वार के प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती है। इसके पिता ने दूसरी बाइक के चालक गोविंद पुत्र प्रमोद निवासी बहादरपुर खादर के खिलाफ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

शराब के साथ युवक धरा

रुड़की। बीती रात खानपुर थाने के सिपाही महावीर सिंह और होमगार्ड नरेंद्र कुमार क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इस बीच उन्होंने गिद्धावाली के राजकुमार पुत्र मदन सैनी को 10 लीटर कच्ची शराब के साथ पकड़ लिया। आरोपी से सख्ती से पूछताछ के बाद पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई कर रही है। थानाध्यक्ष राजीव राथौण ने बताया कि अवैध कारोबार के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आकार बाइक पर सवार दो की मौत

रुड़की। फैक्ट्री से ड्यूटी समाप्त कर बाइक पर सवार होकर अपने घर लौट रहे दो युवकों को ट्रैक्टर ट्राली ने अपनी चपेट में ले लिया। दुर्घटना में दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पीड़ित पक्ष की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर ट्राली चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कार्यवाही शुरू की है। कोतवाली क्षेत्र के गांव लहबोली निवासी संजय सैनी ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उसका 20 वर्षीय पुत्र अमित व उसका साथी बंटी पुत्र धर्म सिंह निवासी ग्राम लहबोली नारसन क्षेत्र में स्थित एक फैक्ट्री में कार्य करते थे। बताया कि सोमवार की देर शाम को दोनों ड्यूटी समाप्त कर वापस अपने घर लौट रहे थे। बंटी बाइक चला रहा था जबकि उसका पुत्र अमित पीछे बैठा हुआ था। जैसे ही दोनों हाईवे स्थित नारसन खुर्द गेट के निकट पहुंचे तभी विपरीत दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ट्राली ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। जिसमें दोनों की मौके पर मौत हो गई। दुर्घटना देख ट्रैक्टर चालक मौके से फरार हो गया।

संक्षिप्त खबरें

रुड़की में घर पर छापा, 140 किलो मांस समेत दो गिरफ्तार

रुड़की। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक घर पर छापा मारा। घर से 140 किलो मांस, कटान उपकरण और दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। जबकि तीसरे फरार साथी के बारे में पुलिस पता लगा रही है। उत्तराखंड गोवंश संरक्षण स्क्वाड के उप निरीक्षक शरद सिंह, हेड कांस्टेबल सुनील सैनी, दीवान सिंह, प्रवीण सैनी और लखमीरी ने मंगलवार सुबह साढ़े पांच बजे मुखबिर की सूचना पर इमली रोड के एक घर पर छापा मारा। जहां पुलिस को 140 किलो मांस, कटान उपकरण मिला। इसके साथ ही आरोपी नदीम पुत्र सलीम आबिद पुत्र गनी निवासी इमली रोड को पकड़ा, जो अपने फरार हुए तीसरे साथी के साथ मांस काट कर रहे थे। रुड़की कोतवाली इंस्पेक्टर आरके सकलानी ने बताया कि उप निरीक्षक नितिन बिष्ट को मामले की जांच सौंपी गई है। गिरफ्तार आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर उन्हें कोर्ट में पेश किया। जहां से आरोपियों को जेल भेज दिया गया है।

पंचायत में हुई मारपीट में आठ के खिलाफ केस दर्ज

रुड़की। पति पत्नी के बीच हुए विवाद का निपटारा करने बैठी पंचायत के दौरान हुई मारपीट मामले में पत्नी ने कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस तहरीर पर उसके पति समेत 8 के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व मारपीट का मुकदमा दर्ज कर जांच कर रही है। गागलहेड़ी (सहारनपुर) के भारापुर निवासी स्वराज की बेटी निकिता की शादी 6 महीने पहले लक्सर के दाबकी कलां में हुई थी। निकिता के मुताबिक तभी से ससुरालिए कम दहेज का ताना मारते हुए उसे परेशान कर रहे थे। करीब 15-20 दिन पहले इसी बात पर पति पत्नी में विवाद होने के बाद निकिता मायके चली गई थी। उसके परिजनों ने शादी कराने वाले बिचौलिए करपाल निवासी लक्सर गांव से शिकायत की। बिचौलिए ने राजीनामा कराने के इरादे से रविवार को अपने घर पर दोनों के परिवार व रिश्तेदारों की पंचायत बुलाई थी। पंचायत में ही दोनों पक्षों में संघर्ष हो गया था। इस मामले में निकिता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया कि पंचायत में उसके ससुरालियों ने हमला किया था। जिसमें उसके पिता स्वराज, बहन सोनिया, जीजा अमित व 10 वर्षीय भांजे मुकुल को गंभीर चोट लगी हैं। कोतवाल राजीव रौथाण ने बताया कि तहरीर पर निकिता के पति तेजवीर पुत्र रविंद्र, सास बाला, ननद कविता, संगीता, रीता, बहनोई आदेश, जेठ राहुल व परिवार के सागर के खिलाफ दहेज उत्पीड़न व मारपीट का मुकदमा लिखा गया है। इसकी विवेचना कराई जा रही है।

महिला कल्याण कोष से अनुदान धनराशि पर विवाद

रुड़की। आंगनबाड़ियों से काटे जा रहे 100 रुपये महीने के कोष को लेकर विभाग व संगठन में सहमति नहीं हुई है। संगठन आंगनबाड़ी की सेवानिवृत्ति पर इसमें से दस लाख देने की मांग पर अड़ा है, जबकि विभाग सिर्फ 30000 देने पर राजी है। अब संगठन इसे लेकर कोर्ट जाने की तैयारी में है। हरिद्वार में 5800 आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका हैं। जबकि प्रदेश में इनकी तादाद करीब 36 हजार है। मानदेय पर होने के कारण इन्हें सेवानिवृत्ति पर कोई अनुदान नहीं मिलता। इसे लेकर 2015 में विभाग व आंगनबाड़ी संगठन की सहमति से महिला कल्याण कोष बना था। इसमें हर कार्यकर्ता व सहायिका के मानदेय से प्रतिमाह 100 रुपये जमा होने थे, जबकि इतनी ही धनराशि सरकार को भी देनी थी। मार्च 2024 तक इसमें आंगनबाड़ियों के लगभग 37 करोड़ रुपये जमा हो चुके हैं, लेकिन सरकारी अंशदान नहीं मिला है। अब इसमें से सेवानिवृत्ति अनुदान को लेकर भी विभाग व संगठन में तकरार हो गई है। संगठन हर कार्यकर्ता व सहायिका के रिटायरमेंट पर 10 लाख अनुदान मांग रहा है, जबकि विभाग गुणा-भाग करके 30 हजार रुपये से ज्यादा अनुदान देने को राजी नहीं है। लिहाजा संगठन अब इस मामले को लेकर कोर्ट जाने की तैयारी कर रहा है।

ट्रेनों के सही समय से चलने से मुसाफिरों को मिली राहत

रुड़की। मंगलवार को ज्यादातर ट्रेनें अपने सही समय पर चली। सिर्फ सहरसा से अमृतसर, गरीब रथ एक्सप्रेस 6 घंटे, पुरी से योगनगरी ऋषिकेश, कलिंग उत्कल एक्सप्रेस 5 घंटे तथा वाराणसी से श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा, समर स्पेशल व श्रीगंगानगर से ऋषिकेश, ऋषिकेश एक्सप्रेस, दोनों ट्रेन दो-दो घंटे लेट हुई। इनके अलावा अमृतसर से कानपुर सेंट्रल, कानपुर सेंट्रल सुपरफास्ट, देहरादून से गोरखपुर, समर स्पेशल एक्सप्रेस, कोलकाता से जम्मूतवी, जम्मूतवी एक्सप्रेस और धनबाद से फिरोजपुर कैंट, गंगा सतलुज एक्सप्रेस, ये चारों लगभग 1 घंटे की देरी से चली। यात्री सुरेंद्र सैनी, लखविंदर सिंह, देशराज ने बताया कि कई दिन से ट्रेनों के संचालन में काफी सुधार आया है।

डेंगू बुखार से बचना है आसान, रहें सावधान : डॉ नारायन जीत सिंह

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून,12,जूनबढ़ती गर्मी के बाद बारिश जहां आपको राहत देने वाली है वहीं पर ये मौसम बीमारियों को दावत भी देता है। बारिश के मौसम में खास तौर पर मच्छर जनित बीमारियां अधिकतर फैलते हैं जिसमें सबसे प्रमुख रोग डेंगू का बुखार है। डेंगू को लेकर उत्तराखंड का स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर आ गया है जिसके साथ ही राज्य में स्वास्थ्य से जुड़ी सभी एजेंसियां सचेत हो गई हैं। डेंगू के बुखार के बारे में जानकारी और बचाव के लिए न्यूज़ वायरस नेटवर्क ने महंत इंद्रेश अस्पताल के मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर और विभाग अध्यक्ष डॉक्टर नारायण जीत सिंह से विस्तार से बातचीत की।

डॉ नारायन जीत सिंह से डेंगू बुखार बातचीत के प्रमुख अंश

डेंगू बुखार होने का कारण

डॉ नारायन जीत सिंह ने बताया कि यह एक संचारी रोग है और बारिश के दिनों में इसके संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है उन्होंने बताया कि सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन के अनुसार, डेंगू संक्रमण दुनिया भर के 100 से अधिक देशों में होने वाली एक आम समस्या है और लगभग 3 बिलियन लोग डेंगू से प्रभावित क्षेत्रों में रहते हैं। इनमें भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के अन्य भाग, चीन, अफ्रीका, ताइवान और मैक्सिको शामिल हैं।डेंगू (Dengue) एक मच्छर जनित वायरल इंफेक्शन या बीमारी जो कि स्वस्थ मनुष्य को संक्रमित मच्छर के काटने से होती है ।

डॉक्टर ने बताया कि डेंगू चार वायरसों के कारण होता है, जो इस प्रकार हैं - डीईएनवी-1, डीईएनवी-2, डीईएनवी-3 और डीईएनवी-4। जब यह पहले से संक्रमित व्यक्ति को काटता है तो वायरस मच्छर के शरीर में प्रवेश कर जाता है और डेंगू की बीमारी तब फैलती है जब यही मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है, और इसका वायरस व्यक्ति के खून के बहाव के जरिये फैलता है।

उन्होंने कहा कि एक बार जब कोई व्यक्ति डेंगू बुखार से ठीक हो जाता है, तो वह विशिष्ट वायरस से प्रतिरक्षित होता है, लेकिन अन्य तीन प्रकार के वायरस से नहीं। यदि आप दूसरी, तीसरी या चौथी बार संक्रमित हो जाते हैं तो गंभीर डेंगू बुखार, जिसे डेंगू रक्तस्रावी बुखार के रूप में भी जाना जाता है और इसकी संभावना अधिक बढ़ जाती है

डेंगू बुखार के लक्षण

डेंगू के कारण

डेंगू चार वायरसों के कारण होता है, जो इस प्रकार हैं - डीईएनवी-1, डीईएनवी-2, डीईएनवी-3 और डीईएनवी-4। जब यह पहले से संक्रमित व्यक्ति को काटता है तो वायरस मच्छर के शरीर में प्रवेश कर जाता है। और बीमारी तब फैलती है जब वह मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटता है, और वायरस व्यक्ति के रक्तप्रवाह के जरिये फैलता है।

एक बार जब कोई व्यक्ति डेंगू बुखार से उबर जाता है, तो वह विशिष्ट वायरस से प्रतिरक्षित होता है, लेकिन अन्य तीन प्रकार के वायरस से नहीं। यदि आप दूसरी, तीसरी या चौथी बार संक्रमित होते हैं तो गंभीर डेंगू बुखार, जिसे डेंगू रक्तस्रावी बुखार के रूप में भी जाना जाता है, के विकसित होने की संभावना बढ़ जाती है।

डेंगू के लक्षण

आमतौर पर डेंगू बुखार के शुरुआती लक्षणों में पहले बुखार आता है।युवाओं और बच्चों में इसकी आसानी से पहचान नहीं हो पाती है जिसके लिए खून की जांच आवश्यक हो जाती है। आमतौर पर डेंगू बुखार में यह प्रमुख लक्षण देखने को मिलते हैं।

सिर दर्द,मांसपेशियों, हड्डियों और जोड़ों में दर्द,जी मिचलाना,उल्टी महसूसहोना या आना,आंखों के पीछे दर्द,ग्रंथियों में सूजन त्वचा पर लाल चकत्ते उभर आना विशेष पहचान है।

***डेंगू में प्रमुखतया**

तीन प्रकार के बुखार पाये जाते हैं, जिनसे व्यक्ति को खतरा हो सकता है, हल्का डेंगू बुखार, डेंगू रक्तस्रावी बुखार और डेंगू शॉक सिंड्रोम।हल्का डेंगू बुखार - इसके लक्षण मच्छर के दंश के एक हफ्ते बाद देखने को मिलते हैं और इसमें गंभीर समस्या देखने को मिलती है डेंगू

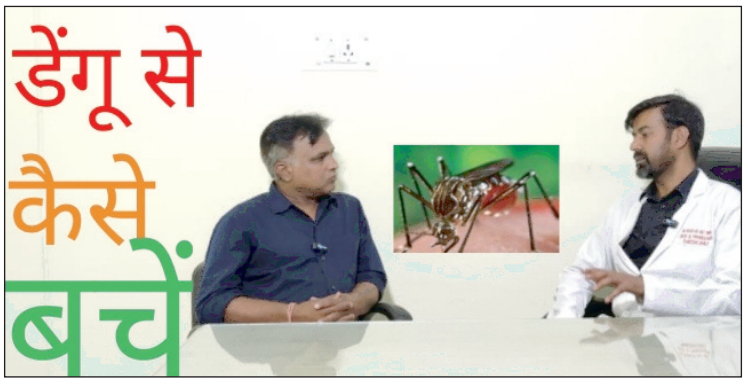

रक्तस्रावी बुखार - लक्षण हल्के होते हैं, लेकिन धीरे-धीरे कुछ दिनों में गंभीर हो सकते हैं।डेंगू शॉक सिंड्रोम - यह डेंगू का एक गंभीर रूप है और यहां तक कि यह मौत का कारण भी बन सकता है।

डेंगू बुखार का उपचार

डॉ नारायण जीत सिंह ने कहा कि सबसे पहले तो डेंगू बुखार को ना पनपने दिया जाए जिससे कि रोग उत्पन्न होगा ही नहीं इसके लिए हमें मच्छरों से सावधान रहने की जरूरत हैडेंगू बुखार का कोई खास इलाज नहीं है, क्योंकि डेंगू एक वायरस है। समय रहते अगर रोगी की देखभाल कर ली जाए तो काफी मदद मिलती है। जो कि इस बात पर निर्भर करता है कि बीमारी कितनी गंभीर है। डेंगू बुखार के कुछ बुनियादी उपचार निम्नलिखित हैं :

औषधि : पैरासिटामोल जैसी दवाएं आमतौर पर रोगियों को दी जाती हैं। गंभीर डिहाइड्रेशन के मामले में कभी-कभी आईवी ड्रिप्स प्रदान की जाती हैं।

सबसे बड़ी बात यह है कि मरीज हाइड्रेटेड रहें यह महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारे शरीर के अधिकांश तरल पदार्थों का उल्टी और तेज बुखार के कारण कमी हो जातीहै। लिक्विड डाइट के लगातार सेवन से यह सुनिश्चित हो जाता है कि शरीर आसानी से डिहाइड्रेट नहीं होगा।

डेंगू मलेरिया या मच्छर जनित बीमारी से बचाव

अपने घर और आसपास कभी भी कहीं भी पानी इकट्ठा न होने दें क्योंकि इसी पानी में मच्छर पनपता है और इसी मच्छर से आप डेंगू मलेरिया जैसी घातक बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं।

अपना इलाज स्वयं ना करें मेडिकल स्टोर से बगैर डॉक्टरी सलाह के दवा ना लें

बारिश के दिनों में बुखार और शरीर में दर्द होने के संकेत पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें यदि आप डेंगू से पीड़ित है तो आपका डॉक्टर आपको खूब तरल पदार्थ पीने और आराम करने की सलाह देगा। इस बीमारी से बचने का सबसे अच्छा तरीका रोकथाम है।त्वचा और शरीर के हिस्सों को खुला न छोड़ें: अपनी त्वचा को ढकने और मच्छर के दंश की संभावना को कम करने के लिए लंबी पैंट और पूरी आस्तीन की शर्ट पहने, बच्चों का विशेष तौर पर खेलते वक्त ध्यान रखें उन्हें पूरे कपड़े पहनाएं।डेंगू के मच्छर सुबह या शाम को अधिक सक्रिय होता हैं, इसलिए ऐसे समय में बाहर निकलने से बचना चाहिए। घर के खिड़की दरवाजों पर जाली का प्रयोग करें घर में मच्छर आने की संभावना को खत्म करें आवश्यकता पड़ने पर रात में मच्छरदानी का प्रयोग करें। बिस्तर पर सोते वक्त हल्के रंग के कपड़े पहने और हल्के रंग की बेडशीट और चादर का उपयोग करें क्योंकि मच्छर हल्के रंगों की तरफ जल्दी आकर्षित नहीं होते हैं और आपका बचाव होता है।

घर और आसपास पानी जमा ना होने दें

एडीज मच्छर साफ और स्थिर पानी में पनपता है। पानी के बर्तन या टंकी को हर समय ढककर रखें और यदि आवश्यक हो तो एक उचित कीटाणुनाशक का उपयोग करें। मच्छरों के लिए एक प्रजनन आधार विकसित करने की संभावनाओं को कम करने के लिए ऐसे किसी भी बर्तन या सामान को उल्टा करके रखें, जिसमें पानी इकट्ठा हो सकता हैं बारिश के दिनों में खास तौर से साफ सफाई का ध्यान रखें।अगर आप डेंगू बुखार से पीड़ित हैं और दवा ले रहे हैं तो आपको अपनी डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, जो कि प्लेटलेट्स काउंट बढ़ाने में आपकी मदद करता

लिक्विड डाइट पर जोर

डेंगू बुखार में बहुत सारे तरल पदार्थ लेना या पानी पीना फायदेमंद होता है। सूप, नारियल पानी, नींबू पानी, छाछ आदि प्लेटलेट्स काउंट में सुधार के लिए फायदेमंद होते हैं। यह डिहाइड्रेट होने से बचाते हैं और इलेक्ट्रोलाइट को बैलेंस रखते हैं साथ ही बॉडी को डिटॉक्सिफाई करते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं।

डेंगू बुखार में ये फल लाभकारी

जामुन, नाशपाती, बेर, आड़ू, पपीता, सेब और अनार जैसे मौसमी फल को डाइट में शामिल करने से बहुत फायदा मिलता है। इनमें विटामिन ए, विटामिन सी, और एंटीऑक्सीडेंट के साथ फाइबर जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो पाचन का सुधार करते हैं। इससे आपा इम्यून सिस्टम मजबूत होता है।

डेंगू बुखार में ये सब्जियां लाभकारी

डेंगू बुखार से ग्रसित मरीजों के लिए विभिन्न प्रकार की मौसमी सब्जियां प्लेटलेट्स बढ़ाने और तेजी से ठीक होने में मदद करती हैं। हरी पत्तेदार सब्जियां विटामिन ए, विटामिन सी के साथ-साथ जिंक, मैग्नीशियम और अन्य मिनरल्स व एंटीऑक्सीडेंट शरीर को प्रतिरक्षा प्रदान करते हैं।

अंत में डॉक्टर नारायन जीत सिंह ने कहा कि मच्छर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए वर्ल्ड मॉसक्यूटो प्रोग्राम में शोधकर्ता लगातार काम कर रहे हैं निकट भविष्य में हमें इसके बेहतर परिणाम मिलने की उम्मीद है।

खाकी के फर्ज के साथ-साथ ईमानदारी की मिसाल पेश करती पौड़ी पुलिस

■ मेरठ से लैंसडाउन घूमने आए बुजुर्ग का खोया हुआ पर्स लौटाकर पौड़ी पुलिस ने दिया ईमानदारी का परिचय

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

पौड़ी 12 जून : लैंसडाउन में पर्यटक सीजन में देश-विदेश से बहुतायात में पर्यटक घूमने आ रहे है, पर्यटकों की सुरक्षा व सुचारू यातायात व्यवस्था हेतु लैंसडाउन पुलिस द्वारा दिन एवं रात्रि में पेट्रोलिंग, गश्त व चेकिंग की जा रही है। इसी क्रम में लैंसडाउन बाजार में अ0उ0नि0 प्रवेश कुमार, हो0गा0 विकास कुमार द्वारा गश्त की जा रही थी, गश्त के दौरान दोनों कार्मिकों को एक लेडीज पर्स लावारिस अवस्था में बाजार में मिला। पर्स को खोलकर चेक किया गया तो उसमें 01 सैमसंग का मोबाइल फोन, 45,00/- रुपये नगद, लेडीज सामान व आई0डी आदि महत्वपूर्ण कागजात मिले जिनके सम्बन्ध में आस-पास पर्यटकों से जानकारी करने के बाद पर्स स्वामी से सम्पर्क किया गया तो उनके द्वारा बताया गया कि वह एक बुजुर्ग दंपत्ति है तथा मेरठ से लैंसडाउन घूमने आए थे फोटोग्राफी के दौरान पर्स रखकर भूल गए।

जिसके उपरान्त पुलिस कर्मियों द्वारा ईमानदारी का परिचय देते हुए उक्त पर्स को बुजुर्ग दम्पत्ति के सकुशल सुपुर्द किया गया। जिस पर बुजुर्ग दंपत्ति सुधा गोश्वामी ने पौड़ी की ईमानदारी की प्रशंसा करते हुए उत्तराखंड पुलिस का धन्यवाद ज्ञापित कर आभार व्यक्त किया।

संक्षिप्त खबरें

पृथ्वी से पाप का भार कम करने वन चले श्रीराम: डॉ. रामविलास

हरिद्वार। कथा व्यास डॉ. रामविलास दास वेदांती ने कहा कि भगवान राम की इच्छा के बिना कुछ भी नहीं होता। भगवान राम स्वयं ही अपनी लीला को पूरा करने के लिए वन जाना चाहते थे क्योंकि वन में उन्हें हनुमान से मिलना था। सबरी का उद्धार करना था। धरती पर धर्म और मर्यादा की सीख देनी थी। इसलिए जन्म से पहले ही राम यह तय कर चुके थे कि उन्हें वन जाना है और पृथ्वी से पाप का भार कम करना है। यह बातें रामविलास वेदांती ने कथा के दौरान भक्तों को बताई।

हरकी पैड़ी पर जलस्तर बढ़ने पर राहत

हरिद्वार। हरकी पैड़ी पर मंगलवार को जलस्तर बढ़ गया। इससे यात्रियों को राहत मिली। मंगलवार को काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान किया। सोमवार को ऋषिकेश के पशु लोक बैराज से सोमवार को गंगा में जल की निकासी नहीं की गई थी। गंगा में 13000 क्यूसेक जलस्तर है। सोमवार को जल की मात्रा कम होने से जलस्तर 4000 क्यूसेक रह गया था। बैराज पर जलस्तर 290.20 मीटर अनिवार्य रूप से रखना पड़ता है। लेकिन सोमवार को जलस्तर 289 मीटर रह गया था। इससे सोमवार को ऋषिकेश के पशु लोक बैराज से सोमवार को गंगा में जल की निकासी नहीं की गई। इस कारण हरकी पैड़ी पर जल चार फीट तक कम हो गया।

वीकेंड और गंगा दशहरा एक दिन, लाखों श्रद्धालुओं के हरिद्वार में पहुंचने की उम्मीद

हरिद्वार। अगले वीकेंड पर गंगा दशहरा पर्व पुलिस और प्रशासन की परीक्षा लेगा। वीकेंड और पर्व एक साथ पड़ने से लाखों श्रद्धालुओं के हरिद्वार में पहुंचने की उम्मीद है। अभी तक इस माह के हर वीकेंड पर हरिद्वार में जाम लग रहा है। हरिद्वार में आजकल श्रद्धालुओं और पर्यटकों की भीड़ बनी हुई है। अब 16 जून को प्रमुख स्नान पर्व गंगा दशहरा है। इसके लिए पुलिस प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। यातायात डाईवर्ट प्लान के साथ ही पूरे मेला क्षेत्र को अलग-अलग जोन व सेक्टरों में बांटने की तैयारी है। पिछले साल प्रशासन के दावे के मुताबिक भले ही इस स्नान पर 20 लाख यात्री आए हों, लेकिन उससे पहले यह आकंड़ा 26 लाख पार था। इस बार 26 लाख से अधिक भीड़ उमड़ने का अनुमान लगाया जा रहा है।

आईसीयू निर्माण के भूतल में पार्किंग बने

चमोली। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने क्रिटिकल केयर सेंटर(आईसीयू) का निर्माण में योजना के मुताबिक पार्किंग स्थल नहीं बनाए जाने को लेकर आक्रोश जताया है। इस मामले में बीते दिन जिलाधिकारी से राज्य योजना आयोग के सदस्य डीपी पुरोहित, नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष संदीप रावत, पूर्व पालिका अध्यक्ष पुष्पा पासवान, पूर्व प्रमुख नन्दन सिंह बिष्ट, सामाजिक कार्यकर्ता शान्ति प्रसाद भट्ट सहित कई जन प्रतिनिधियों ने मुलाकात की।